डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे
गुरु एक्सप्रेस
सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल
वर्ष 18 | अंक 328 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 15 सितम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ

डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) | DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

घर में नहीं था शौचालय, पत्नी ने तलाक के लिए प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया था...

लोक अदालत: कोर्ट में हुआ समझौता, दो महीने में बना लेंगे शौचालय

मंदसौर, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया था। इस दौरान पारिवारिक विवाद के 60 प्रकरणों का समाधान किया गया। इनमें एक मामला काफी अनोखा देखने को मिला। जहां कोर्ट ने पति को टॉयलेट बनवाने के निर्देश दिए तो पत्नी अपने घर लौटी। पारिवारिक विवाद के बाद एक साल से अलग रह रहे पति-पत्नी के बीच कोर्ट की 18वीं खंडपीठ में समझौता हुआ। ससुराल में शौचालय बनवाने का वादा करने पर पति से नाराज पत्नी ससुराल में रहने को तैयार हो गई।

दरसल, मंदसौर की नसरीन का निकाह दाउदखेड़ी के जुवेद अहमद के साथ 2019 मे हुआ था। शादी के समय 51 हजार 786 रुपए की मेहर तय की गई थी। करीब ढाई साल बाद पारिवारिक विवाद में नसरीन मायके रहने लगी और पति, सास-ससुर और पांच नन्दों पर मारपीट करने और दहेज में 1 लाख रुपए मांगने का आरोप लगाते हुए ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना का प्रकरण दर्ज करवा दिया। परिवार न्यायालय में प्रकरण पहुंचा तो कोर्ट ने मध्यस्थता की इसमें पता चला कि नसरीन का पति संयुक्त परिवार में रहता है। जहां शौचालय नहीं होने से पत्नि नाराज थी।

घर में शौचालय नहीं होने से नाराज थी पत्नी...

जुवेद की पांच बहने, एक भाई और माता पिता है। घर में शौचालय नहीं होने से परिवार के सभी लोगो को शौच के लिए 1 किलोमीटर दूर बाहर खुले में जाना पड़ता है। इससे पत्नी नाराज थी। कोर्ट में मध्यस्थता करवाते हुए जुवेद के पिता से घर मे शौचालय बनाने के लिए कहा। परिजनों ने कोर्ट में लिखित में आश्वासन दिया कि 2 महीने के भीतर घर मे शौचालय का निर्माण करवा लिया जाएगा। इसके बाद पत्नी नसरीन पति के साथ रहने को तैयार हो गई। दोनों ने कोर्ट रूम में एक दूसरे को माला पहनाई और मिठाई खिलाकर अपनी दूरियों को खत्म किया।

सिखों पर राहुल गांधी के बयान पर सुवासरा विधायक व पूर्व मंत्री हरदीपसिंह डंग का पलटवार...

भारत में पगड़ी का पूरा सम्मान

कहा-राहुल मध्यप्रदेश में आए तो विरोध करेंगे

भोपाल, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपने अमेरिका दौरे के दौरान सिख समुदाय की सुरक्षा को लेकर जो बयान दिया, उसपर मप्र की सुवासरा विधानसभा से बीजेपी विधायक और पूर्व मंत्री हरदीप सिंह डंग ने पलटवार किया है। डंग ने भोपाल में अपने सरकारी आवास पर मीडिया से चर्चा में राहुल गांधी के बयान पर आपत्ति जताई। डंग ने कहा पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी बताएं कि उन्हें क्या देश में किसी ने पगड़ी, कड़ा पहनने से रोका है? श्री डंग ने कहा कि राहुल जब मध्यप्रदेश आएंगे तो उनका विरोध किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जब भी विदेश जाते हैं तो भारत को बदनाम करते हैं। उसी योजना के तहत सिख कौम के बारे में ऐसे अनर्गल बयान दिए है। जिसमें कहा गया है कि भारत में पगड़ी पहनने से, कड़ा पहनने से, कृपाण पहनने से डर लगता है। वे इस तरह की गलत जानकारी विदेश में जाकर अगर दे रहे हैं तो उसके पीछे क्या रीजन है? वहां के व्यक्तियों में गलत भावना पैदा करके, कहीं ना कहीं गलत जानकारी देकर भारत में अशांति फैलाना बंद करना चाहिए। श्री डंग ने कहा कि राहुल गांधी को ऐसे बयानों से बचना चाहिए। मेरा मानना है कि उन्हें माफी मांगना चाहिए, जिस प्रकार से 1984 के दंगे हुए। वह आपको बात याद रखना चाहिए। जगदीश टाइटलर आपकी पार्टी में हैं, उसका ध्यान रखना चाहिए।

श्री डंग ने कहा कि आज भारत की धरती पर जो पगड़ी का सम्मान है, वो हर व्यक्ति जानता है। पंजाब के मुख्यमंत्री चन्नी जी ने आज यह कहा है कि हम राहुल जी का समर्थन करते हैं तो मैं चन्नी जी से कहना चाहता हूं, वे अपने दिमाग मे छन्नी लगाएं। दिल को साफ-सुथरा करें और यह बताएं कि वे पगड़ी और कड़ा पहन के घूम रहे हैं या नहीं, गुरुद्वारे में जा रहे हैं तो किसी गांव में, किसी शहर में उनको मना किया है क्या? गलत जानकारी देकर राहुल गांधी भारत को बदनाम कर रहे हैं। पन्नू जैसा आतंकवादी संगठन का व्यक्ति अगर राहुल गांधी का समर्थन करता है तो उससे ज्यादा और क्या दुख की बात होगी? इसलिए हम उनके बयान की निंदा करते हैं। राहुल गांधी जब कभी एमपी आएंगे तो उनका विरोध किया जाएगा।

अमेरिका में राहुल गांधी ने यह कहा था...

अमेरिका में एक कार्यक्रम में राहुल से भारत में सिखों की सुरक्षा पर सवाल किया गया। जिसके जवाब में राहुल गांधी ने कहा कि भारत में, लड़ाई एक सिख व्यक्ति के लिए पगड़ी और कड़ा पहनने और मंदिर, गुरुद्वारे जाने की है। उन्होंने आरएसएस पर कुछ धर्मों, भाषाओं और समुदायों को दूसरों से कमतर मानने का भी आरोप लगाया। राहुल ने कहा, लड़ाई इस बात को लेकर है कि क्या एक सिख को भारत में पगड़ी या कड़ा पहनने की इजाजत दी जाएगी। या वह एक सिख के रूप में गुरुद्वारे में जाने में सक्षम होगा। लड़ाई इसी बारे में है। ये सिर्फ उसके लिए नहीं, सभी धर्मों के लिए है।

एक सप्ताह में तीन हजार रुपए चमकी चांदी

मंदसौर, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। देश में चांदी के भाव में एक बार फिर बढ़ोतरी हो रही है। एक सप्ताह में चांदी तीन हजार रुपए चमकी है। चांदी के भाव में सप्ताह की शुरुआत से ही तेजी जारी रही। शुक्रवार को भाव में 1300 रुपए प्रतिकिलो की तेजी आई और भाव 87 हजार रुपए प्रतिकिलो के करीब पहुंच गए। इस सप्ताह भाव में 3 हजार रुपए प्रतिकिलो की तेजी आई है। जबकि, सप्ताह की शुरुआत यानी सोमवार को भाव 83,900 रुपए प्रतिकिलो थे।

सराफा व्यापारियों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भाव में तेजी से घरेलू बाजार में चांदी महंगी हो रही है। यह तेजी आगे भी जारी रह सकती है। चांदी के सपोर्ट में सोना भी महंगा हो रहा है। एक सप्ताह में सोना 1 हजार रुपए प्रति दस ग्राम तक महंगा हुआ है। एक सप्ताह पहले सोना 73 हजार 500 रुपए प्रति दस ग्राम बिक रहा था। अब भाव 74 हजार 500 रुपए प्रति दस ग्राम हैं। जेवराती सोने के भाव 68 हजार 250 रुपए प्रति दस ग्राम रहे। हालांकि सोना अभी भी रिकॉर्ड भाव से एक हजार रुपए प्रति दस ग्राम सस्ता मिल रहा है। सोने के रिकॉर्ड भाव 75,500 रुपए प्रति दस ग्राम रह चुके हैं। ये भाव 20 अप्रैल को थे।

जल झूलनी एकादशी– डोल ग्यारस के अवसर पर शनिवार को शहर में भगवान के पालने के साथ विमान निकले। अलग-अलग मंदिरो से निकले विमान गांधी चौराहे पर एकत्रित हुए। जहां से चल समारोह शुरु हुआ। शिवना तट पर भगवान को स्नान कराकर नए कपड़े पहनाए गए। बाद में सभी विमान अपने-अपने मंदिरो को प्रस्थान हुए। जहां भगवान की आरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया।

व्यापमं घोटाले के जरिए नौकरी में आए निलंबित 38 वनरक्षक बहाल

भोपाल, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। राज्य सरकार ने बहुचर्चित व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) घोटाले के निलंबित 38 वनरक्षकों को बहाल कर दिया गया है। वन विभाग ने व्यापमं द्वारा आयोजित वनरक्षक भर्ती परीक्षा वर्ष 2012- 13 में अनियमितता होने पर चयनित वनरक्षकों को निलंबित किया था। अब उन्हें इस शर्त के साथ बहाल कर दिया है कि उनकी निलंबन अवधि का निराकरण कोर्ट के निर्णय आने पर लिया जाएगा।

बता दें कि व्यापमं घोटाले ने मध्य प्रदेश की सियासत में तूफान मचा दिया था। इसमें राजनेता, वरिष्ठ और कनिष्ठ अधिकारी और व्यावसायी सब शामिल थे। उन पर आरोप था कि उन्होंने अधिकारियों को रिश्वत देकर पेपर लिखने, परीक्षा हाल में बैठने की व्यवस्था में हेरफेर करने और जाली उत्तर पुस्तिकाएं उपलब्ध कराने के लिए व्यवस्थित रूप से धोखेबाजों को नियुक्त किया था। इसके पहले जुलाई 2023 में व्यापमं कांड के कर्ताधर्ता रहे तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक पंकज त्रिवेदी सहित 17 आरोपितो को वनरक्षक भर्ती परीक्षा-2013 मामले में बरी कर दिए गए थे। इस मामले की जांच कर रही सीबीआइ ने पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में अपनी क्लोजर रिपोर्ट भोपाल स्थित विशेष न्यायालय में प्रस्तुत की थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया।

जमीन विवाद में परिजनों पर ही बरसवाए लट्ठ, पांच घायल

गंभीर घायल एक युवक को मेडिकल कॉलेज रतलाम रेफर किया

मंदसौर, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। जमीन विवाद में एक युवक ने अपने ही परिजनों पर राजस्थान से बुलवाए लोगो से लट्ठ बरसवा दिए। इस मामले में दो महिलाओ सहित पांच लोग घायल हुए हैं। एक गंभीर घायल युवक विजेश को रतलाम मेडिकल कॉलेज रतलाम रेफर किया गया हैं। मामले में सुवासरा थाना पुलिस की भूमिका भी संदिग्ध दिख रही हैं? पुलिस समय रहते कार्यवाही कर देती तो ऐसी स्थिति नहीं बनती।

सुवासरा थाना क्षेत्र के ग्राम ढाबला महेश के प्रधान परिवार में जमीन विवाद चल रहा हैं।यहां सुरेश प्रधान का परिवार मजबूत स्थिति में हैं। जबकि, प्रभु प्रधान का परिवार कमजोर हैं। प्रभु के परिवारजनों ने कुछ दिन पहले ही पुलिस को आवेदन देकर ऐसी स्थिति बनने की आशंका जताई थी। लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किये जाने से दूसरे पक्ष के हौसले बुलंद हो गए। उसने शनिवार शाम करीब 6 बजे राजस्थान से एक कार और पांच बाइक पर करीब 15 लोगो को बुलवाए और अपने ही परिवार के दूसरे पक्ष पर हमला करवा दिया। मार पिटाई खाने के बाद थाने पहुंचे ग्रामीणों की थाना प्रभारी द्वारा सुनवाई नहीं किये जाने के आरोप भी लगे हैं। मंदसौर के बड़े अस्पताल में मधु, वेदराज सहित चार घायलों का उपचार चल रहा हैं। खबर हैं की अब पुलिस हरकत में आई हैं। इधर ग्रामीणों द्वारा हमलावरो की तीन बाइक भी पकड़ने की सूचना हैं।

पुलिस की भूमिका संदिग्ध, ग्रामीणों ने पकड़ी हमलावरों की तीन बाइक

उपचार के दौरान बालिका की मौत

परिजनों ने किया हंगामा, डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप

नीमच, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के मनासा रोड स्थित गुप्ता नर्सिंग होम में शनिवार को 14 वर्षीय बालिका की मौत के बाद हंगामा हो गया। दरअसल, बच्ची को पेट दर्द की शिकायत के बाद सुबह अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जिसके बाद परिजनों ने चिकित्सकों और अस्पताल स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों का आरोप है कि गलत उपचार देने और ध्यान नहीं देने की वजह से बच्ची की मौत हुई है।

जावद थाना क्षेत्र के ग्राम बोरखेड़ी निवासी 14 वर्षीय रिंकू पिता मदनलाल बंजारा ने सुबह पेट दर्द और चक्कर आने की शिकायत की थी। जिसके बाद परिजन उसे उपचार के लिए पहले मोरवन ले गए। वहां से डॉक्टर ने नीमच ले जाने को कहा था। नीमच के मनासा रोड स्थित गुप्ता नर्सिंग होम में भर्ती .... शेष पेज 4 पर

स्कोर कार्ड जनरेट नहीं होने से अतिथि शिक्षक परेशान...

विकल्प चयन का आज अंतिम दिन

मंदसौर, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के हजारों पद खाली हैं। स्कूलों में शैक्षणिक व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालन के लिए रिक्त पदों पर अतिथि शिक्षकों की भर्ती की जानी है। लेकिन, अतिथि शिक्षकों को नियुक्त करने की प्रक्रिया में लगातार देर हो रही है। स्थिति यह है कि स्कूल शिक्षा विभाग को बार-बार तारीख आगे बढ़ाना पड़ रही है। विकल्प चयन की तारीख फिर से बढ़ा दी गई है। क्योंकि, अतिथि शिक्षकों का स्कोर कार्ड जनरेट नहीं हो पा रहा है।

लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने फिर से च्वाइस फिलिंग की तारीख बढ़ाकर 15 सितंबर तक कर दी है। उसकी भी आज आखिरी तारीख है। अधिकारियों का कहना है कि अतिथि शिक्षकों द्वारा पंजीयन की गई प्रोफाइल को अनलाक करने से उनके स्कोर कार्ड जनरेट नहीं हो रहे थे। इस कारण उनके द्वारा प्रस्तुत शिकायती आवेदनों के आधार पर उनकी योग्यता के दस्तावेजों का सत्यापन जीएफएमएस पोर्टल पर अनिवार्यत: पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। यह भी निर्देशित किया गया है कि आवेदकों के दस्तावेजों का समुचित परीक्षण बाद ही सत्यापन करें। सत्यापन में त्रुटि होने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। आवेदकों के लिए शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए सरकारी स्कूलों में रिक्त पदों पर स्कूल का विकल्प चयन और संशोधन करने के लिए 15 सितंबर तक की वृद्धि की गई है। इस संबंध में डीपीआई ने सभी संभागीय संयुक्त संचालकों और जिला शिक्षा अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

30 नम्बर नकली बीड़ी के 70 पैकेट जप्त, एक गिरफ्तार

पिपलियामंडी, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। 30 नम्बर बीड़ी के 70 पैकेट के साथ एक युवक को पकड़ा। जानकारी के अनुसार शनिवार को भारत बीड़ी प्रालि मेंगलोर के चेकिंग ऑफिसर हरगोविंदसिंह राठौर ने महू नीमच हाइवे मीनाक्षी होटल के पास से मनासा निवासी मोसिन मंसूरी को 30 नम्बर नकली बीड़ी के साथ पकड़ा। युवक के कब्जे से 70 पैकेड जप्त हुए। जिसे पुलिस के सुपुर्द किया। टीआई विक्रमसिंह इवने ने बताया कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि पिपलियामंडी नगर सहित क्षेत्र में आए दिन नकली बीड़ी विक्रय की खबरें मिलती रही है, पहले भी नगर में नकली बीड़ी बेचने पर कार्रवाई हो चुकी है।

अस्थाई अतिक्रमण हटाया– त्यौहारो को देखते हुए शहर में यातायात पुलिस व नगरपालिका ने संयुक्त रूप से कार्यवाही की। भारत माता चौराहा से प्रतापगढ़ पुलिया व्यापारियो द्वारा किया गया अस्थाई अतिक्रमण हटाने की समझाईश दी गई। नहीं हटाने पर बलपूर्वक हटाया गया।

गिफ्ट सिटी में खुलने वाले अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय यूजीसी और सरकार के सभी नियमों से रहेंगे मुक्त...

मंदसौर/उज्जैन, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। गुजरात के अहमदाबाद और गांधीनगर के बीच हजारों एकड़ भूमि में विदेशी कंपनियों को आकर्षित करने के लिए गिफ्ट सिटी घोषित की गई थी। यहां अब अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा केंद्र स्थापित होने जा रहा है। विदेशो में टैक्स फ्री हेवन सिटी की तरह गिफ्ट सिटी में ब्रिटेन के साउथएम्पटन विश्वविद्यालय ने अपनी दस्तक दे दी है। इसके स्थापित होने पर भारत के छात्रों को यही अंतरराष्ट्रीय स्तर की डिग्रियां मिल सकेगी। साथ ही दुनिया भर के विद्यार्थियों का गिफ्ट सिटी कैंपस में जमावड़ा भी होने लगेगा। गिफ्ट सिटी के विश्व विद्यालय में पढ़ने पर छात्रो को स्नातक होने में 30 प्रतिशत खर्च बच जाएगा।

दरअसल गिफ्ट सिटी की परियोजना तो विदेशी व्यवसाय जगत को प्रभावित करने की योजना के तहत बनाई गई थी। जिसमें सफलता न मिलने पर शैक्षणिक जगत को विशेष छूट देकर आमंत्रित किया जाने लगा। जिन देशों के विश्वविद्यालय को न्यौता गया है वह भी अब आने ही लगे हैं, पर अपनी शर्तो पर। सबसे पहले ब्रिटेन के साउथएंप्टन विश्वविद्यालय यहां प्रवेश कर चुका है। गिफ्ट सिटी में विश्वविद्यालय स्थापित करने वालों को अन्य राष्ट्रों के टैक्स फ्री हैवन की तरह सभी प्रकार की छूट मिलेगी। जैसी हांगकांग, सिंगापुर, दुबई, साइप्रस, मॉरीशस में पहले से मिलती आ रही है। साउथहैंपटन विश्वविद्यालय अगस्त 2025 तक 06 पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। शुरुआत में 5 हजार छात्रों को प्रवेश दिया जाएगा। समय अनुसार पांच-सात सालों में 30 से अधिक पाठ्यक्रम शुरू हो जाएंगे। यहां सभी राष्ट्रों के छात्रों को प्रवेश मिल सकेगा।

चन्द्रमोहन भगत

यह भी बताया जा रहा है कि यहां पढ़ने वाले छात्रों के कोर्स 60 प्रतिशत फीस लागत में ही पूरे हो जाएंगे। उदाहरण के तौर पर अगर किसी भारतीय छात्र को विदेश जाकर पढ़ने पर 10 लाख रुपए खर्च आता है तो गिफ्ट सिटी में उसके 06 लाख रुपए ही खर्च होंगे। भारतीय शिक्षण संस्थानों को भी विदेश में अपनी संस्थाएं स्थापित करने के अवसर मिले हुए हैं। इसी तर्ज पर भारत के आईआईटी, आईआईएम कुछ देशों में खुल चुके हैं।

भारतीय शिक्षा जगत से लेकर प्रशासन जगत में गिफ्ट सिटी में खुलने वाले विश्वविद्यालय को लेकर चर्चाओं ने स्थान पाना शुरू कर दिया है। विशेष कर इस बात के लिए की गिफ्ट सिटी में आने वाले विदेशी विश्वविद्यालय को भारत सरकार की संस्था यूजीसी तथा केंद्र सरकार के घोषित आरक्षण के नियम न मानने की छूट रहेगी। याने विकलांग, सामान्य पिछड़ा, निम्न आय वर्ग जैसे आरक्षण नियम यहां अमान्य रहेंगे। साथ ही इनके शिक्षा जगत में लगने वाला सारा स्टाफ भी अंतरराष्ट्रीय स्तर का विदेश से भर्ती किया जा सकेगा। इसी तरह भारत के अलावा किसी भी देश के विद्यार्थी को वांछित योग्यता पर प्रवेश दिया जाएगा। साथ ही इन विश्वविद्यालय में सिलेबस क्या होगा, कौन-कौन से विषय होंगे, समय क्या रहेगा, पाठ्यक्रम आदि सभी तय करने की विश्वविद्यालय प्रशासन को छूट मिलेगी।

ब्रिटेन के साथ ही ऑस्ट्रेलिया के एक विश्वविद्यालय ने भी यहां अपना कैंपस खोल दिया है। जानकारों की माने तो अभी विदेशी विश्वविद्यालय पहले 4 ग्रेजुएट कोर्स शुरू कर रहे हैं, उसके बाद पीजी कोर्स शुरू किए जाएंगे, फिर यथा समय अंतराल में अंडर ग्रेजुएट कोर्स भी शुरू किए जाने वाले हैं। विदेशों के ख्याति प्राप्त विद्यालयों में पढ़ना तो हर छात्र का सपना होता है। किन्तु, गुजरात की गिफ्ट सिटी में 30-40 प्रतिशत कम खर्चे में अब यह शिक्षा भारतीय छात्रों को मिलने लगेगी। साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा और वातावरण भी। गिफ्ट सिटी के विश्वविद्यालयों की उपयोगिता समझने वालों का अनुमान है कि एक दशक के अंतराल में गुजरात का गिफ्ट सिटी 6 लाख से अधिक छात्रों और अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय वाला शहर बन जाएगा।

विचार-मंथन

भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई और होगी मजबूत

भ्रष्टाचार पूरी दुनिया के सामने विकास और खुशहाली की राह में बहुत बड़ा रोड़ा है। इसलिए लगभग हर देश ने इस पर अंकुश लगाने का तंत्र विकसित कर रखा है। प्रशासन की जवाबदेही तय करने की कोशिशें की जाती हैं। मगर हमारे यहां इस मामले में ज्यादातर नाकामी ही नजर आती है। इसलिए लंबे समय से मांग की जाती रही कि लोकपाल और लोकायुक्त के गठन संबंधी कानून बनना चाहिए। करीब ग्यारह वर्ष पहले इसे लेकर बड़ा आंदोलन हुआ, जिसके दबाव में लोकपाल अधिनियम पारित हुआ। मगर लोकपाल की नियुक्ति का मामला करीब पांच वर्ष तक इस तर्क के आधार पर टलता रहा कि लोकसभा में कोई विपक्ष का नेता नहीं था। लोकपाल अध्यक्ष की नियुक्ति में विपक्ष के नेता का होना जरूरी है। आखिरकार पांच वर्ष पहले लोकपाल का गठन हुआ, मगर अभी तक वह पूरी तरह कार्य करने की स्थिति में नहीं आ सका है। अब लोकपाल के जांच प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। इस प्रकोष्ठ में लोकपाल अध्यक्ष के अधीन एक जांच निदेशक होगा, जिसे तीन पुलिस अधीक्षक मदद करेंगे। प्रत्येक पुलिस अधीक्षक को जांच अधिकारी और अन्य कर्मचारियों की सहायता प्रदान की जाएगी। इस तरह उम्मीद बनी है कि अब लोकसेवकों की अनियमितताओं के खिलाफ कुछ कड़े कदम उठाए जा सकेंगे। हालांकि भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत पहले से कई जांच एजंसियां काम करती हैं। हर महकमे के कर्मचारी पर वहां का सतर्कता विभाग नजर रखता और उसके खिलाफ शिकायतों का निपटारा करता है। केंद्रीय जांच ब्यूरो, प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग भी संबंधित मामलों में जांच करते ही हैं। मगर प्रशासनिक सुधार आयोग का मानना था कि लोकपाल और लोकायुक्त के गठन से लोकसेवकों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई हो सकेगी। दूसरी जांच एजंसियों पर चूंकि राजनीतिक प्रभाव अधिक देखा गया है, इसलिए उनसे भ्रष्टाचार के मामले में निष्पक्षता की उम्मीद धुंधली बनी रहेगी। पर शायद सरकारों को लोकपाल और लोकायुक्त के गठन से इसीलिए हिचक पैदा होती रही कि उसके दायरे में प्रधानमंत्री तक को रखा गया है। फिर, लोकपाल और लोकायुक्त स्वतंत्र निकाय की तरह काम करेंगे, उन्हें दूसरी एजंसियों की तरह किसी अधिकारी के खिलाफ जांच करने के लिए संबंधित विभाग से अनुमति की जरूरत नहीं होगी। कई सरकारों को लगता रहा है कि इस तरह उनके कामकाज में बाधा पड़ सकती है। शायद यही कारण है कि अब भी कई राज्य सरकारों ने अपने यहां लोकायुक्त का गठन नहीं किया है। देर से ही सही, लोकपाल के जांच प्रकोष्ठ के गठन से लोगों में भ्रष्टाचार निवारण की दिशा में उल्लेखनीय नतीजों की उम्मीद जगी है। लोकसेवकों में गलत तरीके से पैसा कमाने की भूख और रिश्वत लेकर अपात्र लोगों को लाभ पहुंचाने, सरकारी योजनाओं में गतिरोध और छीजन पैदा करने की प्रवृत्ति किसी से छिपी नहीं है। इस वातावरण को तभी ठीक किया जा सकता है, जब लोकसेवकों की अनियमितताओं पर लगाम लगाई जा सके। हालांकि कुछ लोग यह संशय व्यक्त करते रहे हैं कि लोकपाल और लोकायुक्त की नियुक्ति में भी राजनीतिक दखल होती है, इसलिए वे कितने निष्पक्ष रह पाएंगे, कहना मुश्किल है। मगर एक विशाल जनसमुदाय और बड़े प्रतिबद्ध प्रबुद्ध समाज की इच्छा से गठित इस संस्था से भ्रष्टाचार निवारण को लेकर निष्ठा और निष्पक्षता की उम्मीद फिलहाल कमजोर नहीं हुई है।

देवभूमि को आखिर कौन कर रहा है बर्बाद?

मृत्युंजय दीक्षित

हिमाचल के जिस क्षेत्र में जहां 95 प्रतिशत हिंदू आबादी रहा करती थी वहां पर पांच मंजिल की अवैध मस्जिद बन चुकी है, मस्जिद में आने वाले मुसलमानों ने स्थानीय हिन्दू परिवारों का जीना दूभर कर दिया है, हिन्दू सड़क पर हैं लेकिन सरकार सो रही है। प्रश्न है किआखिर वे कौन से तत्व हैं जो देवभूमि को बरबाद करने पर तुले हुए हैं? उत्तराखंड और हिमाचल दोनो ही राज्य कानून और व्यवस्था के मामले में अच्छे राज्य गिने जाते थे, चोरी-चकारी, छीना-झपटी जैसी चीजें वहां होती ही नहीं थीं किंतु घुसपैठियों की बढ़ती संख्या के साथ साथ अब आपराधिक घटनाओं की बाढ़ सी आ गई है। दोनों ही राज्यों में अवैध मस्जिदों और मजारों को लेकर लगातार विवाद हो रहे हैं। उत्तराखंड के जंगलों में अवैध मजारें बना दी गई, जब सरकारी प्रशासन को पता चला तो वहां पर बुलडोजर चला कर मजारों को ध्वस्त किया गया। ये सभी मजारें अवैध और सुनियोजित साजिश के तहत जमीन जिहाद का एक हिस्सा थीं। इसी क्रम में ताजा प्रकरण हिमांचल प्रदेश के संजौली का है, जहां एक पांच मंजिला अवैध मस्जिद निर्माण को लेकर स्थानीय जनता आंदोलन कर रही है और सुरक्षा कारणों से कांग्रेस सरकार से मस्जिद को ध्वस्त करने की मांग कर रही है क्योंकि मामला कोर्ट में भी है इसलिए प्रशासन आराम से बैठा है। संजौली की यह मस्जिद सरकारी जमीन पर बनी है यह राजधानी शिमला के माल रोड से लगभग पांच किलोमीटर दूर है। इस मस्जिद में आने वाले मुसलमाओं में बड़ी संख्या में रोहिंग्या होने के आरोप हैं। अगर ये आरोप सही है तो प्रश्न उठता है कि बांग्लादेश से आने वाले रोहिंग्या 95 प्रतिशत आबादी वाले हिंदू इलाके में पहुंच कैसे गये? महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार के मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने ही विधानसभा में इस मस्जिद को अवैध बताया और इसे गिराने की मांग करते हुए कहा कि संजोली बाजार में महिलाओं का चलना मुश्किल हो गया है, चोरियां हो रही हैं, लव जिहाद जैसी घटनाएं हो रही हैं जो प्रदेश के लिए खतरनाक है। दूसरी ओर वक्फ बोर्ड कह रहा है कि ये जमीन सरकार की नहीं अपितु उसकी है। तथ्य ये है कि वर्ष 1967 के सरकारी दस्तावेज इस बात की पुष्टि करते हैं कि ये जमीन सरकार की थी। कुछ सालों पहले तक यह छोटी सी मस्जिद थी जो अब पांच मंजिल की बन चुकी है। मस्जिद का मामला कोर्ट में 14 वर्षों से विचाराधीन है और मुकदमे की 44 बार सुनवाई हो चुकी है। हिमाचल का संजोली मस्जिद विवाद गहरा जाने के बाद यह बात जोर पकड़ रही है कि क्या पर्वतीय प्रदेशों में जनसांख्यिकीय संतुलन बदलने का सुनियोजित षड्यंत्र चल रहा है? दोनों ही प्रान्तों में मुसलमानों, मजारों और मस्जिदों की संख्या तेजी से बढ़ रही है? इन प्रान्तों में हिन्दुओं की आबादी लगातार कम हुई है जबकि मुसलमानों की आबादी में लगातार वृद्धि हुई है। वर्ष 1951 में हिमांचल प्रदेश में हिन्दुओ की आबादी 98.14 प्रतिशत थी जो वर्ष 2011 में 95.2 प्रतिशत हो गई थी। अलग-अलग समय की जनगणना से ये पता चलता है कि जहां एक तरफ हिमांचल प्रदेश में हिन्दुओं की आबादी लगातार कम हुई है और वहीं मुसलमानों की आबादी लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2011 से हमारे देश में जनगणना नहीं हुई है और पिछले 13 वर्षों में हिमाचल प्रदेश की डेमोग्राफी कितनी बदली है अभी इसके सटीक आंकड़े हमारे पास उपलब्ध नहीं हैं। चार साल में बढ़ गई 12 मस्जिदें- स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले 10 से 12 वर्षों में मुसलमानों की आबादी तेजी से बढ़ी है और इसका अनुमान हिमांचल में बनी नई मस्जिदों से लगाया जा सकता है। हिमांचल प्रदेश हिंदू जागरण मंच का दावा है कि कोविड से पहले प्रदेश में 393 मस्जिदें थीं जिनकी संख्या कोविड के बाद 520 हो गई। इन सभी 127 मस्जिदों का निर्माण कोविड के समय हुआ था। ज्ञातव्य है कि कोविड के दौरान लाकडाउन के समय नियमों को तोड़ने की सबसे अधिक घटनाएं मुस्लिम सम्प्रदाय द्वारा ही की गई थीं। हिमांचल की राजधानी शिमला में पहली बार सांम्प्रादायिक तनाव की स्थिति पैदा हुई है और हिन्दू जनमानस को अपनी सुरक्षा के लिए सड़क उतरना पड़ा है। हिन्दुओं की एकमात्र मांग है कि पांच मंजिला अवैध मस्जिद को ध्वस्त किया जाये और बांग्लादेशी व रोहिंग्याओ घुसपैठियों को बाहर किया जाये। अब कांग्रेस सरकार के मंत्री ही अपनी सरकार से विनती कर रहे हैं कि इस बात की जांच कराई जाए कि अचानक प्रदेश में बाहरी मुसलमानों की संख्या कैसे बढ़ गई? रेहड़ी पटरी और बाजारों पर रोहिंग्या मुसलमानों का कब्जा कैसे हो गया? इस पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अपने ही मंत्री को नसीहत दे डाली कि मंत्रियों व विधयाकों को इस तरह के मामलों में नहीं पड़ना चाहिए। आंदोलनकारी जनता कह रही है, अगर सरकार इस मस्जिद को नहीं गिराती है तो वह स्वयं आगे आगे आकर इसे गिरा देंगी। ज्ञातव्य है कि शिमला में ढाई मंजिलसे अधिक ऊँची इमारत बनाने पर प्रतिबन्ध है। देवभूमि क्षेत्रीय संगठन के नेतृत्व तले प्रदर्शनकारियों ने ये यह साफ कर दिया है कि उन्हें शिमला के स्थानीय मुसलमानों से कोई परेशानी नहीं है लेकिन रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुसलमान समस्या बन गये हैं। प्रदर्शनकारी महिलाओं का कहना है कि शिमला की सड़कों पर लगने वाली दुकानों पर रोहिंग्या मुसलमानों ने कब्जा कर लिया है वे हिन्दुओं को दुकानें नहीं लगाने देते, बहन बेटियों को छेड़ते हैं, विरोध करने पर खून खराबे पर उतर आते हैं। अब इस प्रकरण पर सभी मुस्लिम हितैषी कूद पड़े हैं, एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने राहुल गांधी से सवाल पूछा कि, +मुहब्बत की दुकान में इतनी नफरत कहां से आ गई? मस्जिद का मुकदमा कोर्ट में है तो हिंदू उसे गिराने की मांग कर रहे हैं, कांग्रेस के मंत्री उनकी बातों का समर्थन कर रहे हैं।

ज्यादा अनुशासन बच्चों को बनाता है दब्बू ...

अमन आकाश

एक पौधा जो खूब सारे मीठे फल दे सकता था, एक पौधा जो विशाल छायादार पेड़ बन कर वैश्विक तापमान को कम करने में अपना आंशिक योगदान दे सकता था, उस पौधे को 'अनुशासन' के गमले में बोकर, प्रतिबंधों की काट-छांट कर हमने उसे बोनसाई बना दिया। वह बोनसाई सुंदर तो दिखेगा, सजावट के काम आएगा, हमारे घर के किसी कोने की खूबसूरती भी बढ़ाएगा, पर वह बोनसाई कभी फल नहीं दे पाएगा। वह बोनसाई कभी विशाल छायादार बनकर किसी राहगीर के सुस्ताने के लिए छांव नहीं दे पाएगा। हमने अपने बच्चों को वही बोनसाई बना दिया है। अनुशासन के नाम पर हमने बच्चों पर इतने प्रतिबंध लगा दिए हैं कि हम उसका कुदरती विकास नहीं होने दे रहे।अनुशासन सिखाने के नाम पर छोटे-छोटे बच्चों को छात्रावासों में रखा जा रहा है। बेहतर शिक्षा के नाम पर अपने परिवार से दूर किसी रिश्तेदार के घर रखकर पढ़ाया जा रहा है। हमें लग रहा है कि कक्षाओं की शिक्षा ही उसे बेहतर बनाएगी। यहां हम शायद गलत हैं। बच्चा सबसे पहले सीखता है अपनी मां से, अपने परिवार से, परिवेश से और अपने खुले वातावरण से। उसे खेलने और दौड़ने-भागने देना चाहिए। उसे गांव की गलियां माप लेने देना चाहिए, मेले घूम लेने देना चाहिए, खेत-खलिहानों में भटक लेने देना चाहिए। उसे जानने की कोशिश करने देना चाहिए कि कद्दू किसी पेड़ पर नहीं उगता और केले का पेड़ नहीं, पौधा होता है। उसे दोस्तों और परिजनों के बीच रहकर ही यह जान लेने देना चाहिए कि 'थर्सडे' को हिंदी में बृहस्पतिवार या गुरुवार कहते हैं। पापा की बहन बुआ होती हैं और मम्मी की बहन मौसी। सबसे पहले वह परिवार से ही सीखेगा। स्कूल की पढ़ाई तो वह कर ही लेगा। दरअसल, हम समझते हैं कि सुबह कोचिंग, दिनभर स्कूल और शाम में ट्यूशन लगाकर हम आदर्श अभिभावक की भूमिका में हैं। हम बच्चों के खेलने-कूदने पर प्रतिबंध लगाकर उसे अनुशासित बना रहे हैं। हम समझते हैं कि सिर्फ स्कूल की कक्षाएं, होमवर्क, किताब, कापी और पाठ्यक्रम में सिमटकर वह बहुत सफल हो जाएगा या सिर्फ किताबों में डुबकी लगाकर वह नाम रौशन कर देगा। अपनी महत्वाकांक्षाओं के बोझ तले बच्चों को दबाकर हमने जो उसे 'अनुशासन' का नाम दिया है, वक्त आने पर वही बच्चा अपनी असफलता की तख्ती एक समय आकर हमारे आपके गले में लटका जाएगा।अनुशासन के नाम पर हमने बच्चों को जिस तरह दब्बू और आत्मविश्वास से कमजोर बनाने का काम किया है, इसका खमियाजा हमें ही भुगतना पड़ेगा। किसी भी बच्चे के मानसिक विकास में स्कूल की कक्षा की पढ़ाई का कम ही योगदान होता है। वह स्वयं से करके ही सीखता है। वह गलतियां करके अनुभव लेकर सीखता है। गलतियां करेगा कब? अनुभव लेगा कब? जब हम उसे इतनी आजादी देंगे। एक बंदर अपने बच्चे के संगीत प्रशिक्षण पर लाखों खर्च कर दे, उसे बचपन में ही संगीत अकादमी में डाल दे, तो भी वह गाना कभी सीख नहीं पाएगा। उल्टे अपनी प्राकृतिक कलाबाजियां और गुलाटियां मारना भी भूल जाएगा। जब बंदर यह गलती नहीं करता, तो हम और आप क्यों ऐसा करते हैं? ऐसे तमाम लोग होंगे, जिनके बचपन के दिनों की मंडली दसवीं कक्षा तक गांव में ही रही और सरकारी स्कूल में पढ़ाई की। दोपहर के भोजन में खिचड़ी खाई। फिर उस समय के रुतबे वाली 'रेंजर' साइकिल ली, तो उससे स्कूल जाने के साथ-साथ स्कूल की कक्षाएं छोड़ कर चुपके से पास के कस्बे के बाजार में जाकर फिल्म भी देखे होंगे। स्कूल से घर कितनी बार शिकायतें आई होंगी। बच्चे दो दिन सुधरे, फिर अगले दिन कोई फिल्म देख आए। किराए पर लाकर सैकड़ों कामिक्स पढ़े, टीवी-सीडी भी किराए पर ही लाकर फिल्में देखी गई होंगी। खेत-खलिहानों में भटकना, क्रिकेट खेलकर दोपहर-शाम एक कर देना। पर इन्हीं सबसे बचपन में शायद सबसे ज्यादा सीखा गया होगा। सीखा भी शायद ऐसे ही जाता है। सिर्फ कक्षाओं की पढ़ाई के भरोसे रहा जाता तो मामला निल बट्टे सन्नाटा रहता।

सितारों से बार-बार सजती सियासत

हरियाणा विधानसभा चुनाव दूर नहीं है। चंद रोज बाद ही प्रचार तेज हो जाएगा, फिर हम सड़कों पर नेताओं के साथ ही फिल्मी सितारों, गायकों और खिलाड़ियों को देखेंगे। इसके विपरीत अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में अभी समय है। जिस दिन हरियाणा में मतदान होगा, उसके ठीक एक महीने बाद अमेरिका के लोग वोट डालने के लिए कतारों में खड़े होंगे, लेकिन अमेरिका में प्रचार अभी से चरम पर पहुंच रहा है। वहां सेलिब्रिटी के इस्तेमाल के मामले में नए झंडे गाड़े जा रहे हैं। पिछली दो बार की तरह ही इस बार भी समय से काफी पहले डोनाल्ड ट्रंप का प्रचार तार सप्तक की आवृत्ति तक पहुंच चुका है। इस बीच कुछ रैलियों की ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें युवा लड़कियां पॉप गायिका टेलर स्विफ्ट की तस्वीर लगी टी-शर्ट पहने हुए हैं, जिन पर लिखा है, 'स्विफ्टीज फॉर ट्रंप'। मोटे तौर पर इसका मतलब हुआ कि टेलर स्विफ्ट की पीढ़ी के लोग ट्रंप के पक्ष में हैं। उसके नीचे यह नारा भी है, 'टेलर चाहती है कि आप ट्रंप को वोट दें'। खुद डोनाल्ड ट्रंप ने इन तस्वीरों को शेयर किया। लोगों को हैरत हुई, क्योंकि क्योंकि ट्रंप 2016 के चुनाव में ही टेलर स्विफ्ट की लोकप्रियता को अपने लिए भुनाना चाहते थे, मगर इस पॉप गायिका ने साफ मना कर दिया था। और इसके अगले चुनाव में तो वह जो बाइडन के समर्थन में खुलकर आ गई थीं। इतना ही नहीं, उन्होंने ट्रंप को श्वेतवादी भी कहा था। ये लगा कि कहीं तो गड़बड़ हो रही है। समझना मुश्किल था कि टेलर को इस तरह पाला बदलने की क्या जरूरत थी? बाद में पता लगा कि ये सारी तस्वीरें ही फर्जी थीं। इन्हें आर्टीफीश्यिल इंटेलीजेंस से तैयार किया गया था। अगर टेलर स्विफ्ट के चहेतों पर यकीन किया जाए, तो इस बार भी वह ट्रंप की प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस के समर्थन में उतरने की तैयारी कर रही हैं। चुनाव जीतने की जुगत में सेलिब्रिटीज का इस्तेमाल अब इतनी बड़ी जरूरत बन गया है कि उनके लिए केवल झूठ ही नहीं, झूठ बोलने की मशीनों का इस्तेमाल शुरू हो गया है। हालांकि, सवाल यह भी है कि ट्रंप को यह झूठ बोलने की जरूरत क्यों पड़ी? खासकर जब ब्रिटनी जैसी पॉप स्टार के उनके अभियान में शामिल होने की आधिकारिक घोषणा हो चुकी है। कारण जो भी हो, लेकिन एक चीज तो साफ है कि सेलिब्रिटीज अब चुनाव अभियान की अनिवार्यता बन चुके हैं। अभी तक जो कथित सितारे साबुन-शैंपू, मोबाइल फोन, कार वगैरह बेचते रहे हैं, अब वे नेताओं, पार्टियों और राजनीति को भी बेच रहे हैं। आप चाहें, तो इसके लिए राजनीति को भी कोस सकते हैं और तमाम नैतिक आपत्तियां भी खड़ी कर सकते हैं, लेकिन दुनिया भर में जहां भी लोकतंत्र है, कम या ज्यादा यही हो रहा है। अमेरिका में भी, यूरोप में भी, एशिया में भी और भारत में तो खैर यह परंपरा पुरानी है। हर जगह नेताओं को इन सितारों की जरूरत क्यों पड़ रही है? माना जाता है कि इन सितारों का इस्तेमाल खासकर युवा पीढ़ी के मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए किया जाता है। उन सभी देशों में जहां लोकतंत्र परिपक्व हो चुका है, नेताओं की खांसती-खंखारती पीढ़ी देश की युवा पीढ़ी से खासी दूर जा चुकी है। अंतर इतना हो गया है कि दोनों में संवाद के रास्ते भी बहुत कम बचे हैं। जिसे राजनीति की मुख्यधारा माना जाता है, उसके थम चुके सड़ांध मारते प्रवाह से नई पीढ़ी या तो दूर रहती है या नाक बंद करके उसके पास से गुजर जाती है। राजनेताओं को भी इससे क्या फर्क पड़ता है। फर्क तब पड़ता है, जब चुनाव आते हैं और इस पीढ़ी के वोट चाहिए होते हैं। तब ये सितारे इस अंतर को पाटने का काम करते हैं। क्या इन सितारों के इस्तेमाल से कोई चुनाव वास्तव में जीता जा सकता है? यह एक कठिन सवाल है, जिसका अंतिम जवाब अभी तक दुनिया के विशेषज्ञ नहीं पा सके। मोटे तौर पर यही कहा जाता है कि ये सितारे माहौल बनाने का काम करते हैं।

आज का राशिफल

मेष : [illegible] सुभांक-2-4-6

वृषभ : [illegible] सुभांक-3-7-9

मिथुन : [illegible]

कर्क : [illegible]

सिंह : [illegible] सुभांक-6-3-9

कन्या : [illegible] सुभांक-7-8-9

तुला : [illegible]

वृश्चिक : [illegible]

धनु : [illegible] सुभांक-2-4-6

मकर : [illegible] सुभांक-3-5-7

कुंभ : [illegible]

मीन : [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5357

3	2		8		5		7	
		7						3
	1	5	7					
		2					3	1
	4		3	9	1		5	
1	5					8		
					7	3	4	
8						9		
	3		1		4		6	7

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5356

7	3	2	5	6	1	8	4	9
8	1	5	4	2	9	3	7	6
6	9	4	7	8	3	5	2	1
1	8	3	6	5	2	7	9	4
4	2	9	8	1	7	6	3	5
5	7	6	9	3	4	2	1	8
9	4	8	3	7	5	1	6	2
3	6	1	2	9	8	4	5	7
2	5	7	1	4	6	9	8	3

वर्ग पहेली 5357

संकेत: बाएं से दाएं

1. 10 जून 1933 को [illegible] की पुनः प्रधानमंत्री चुनी गई (3)
4. दक्षिण अमेरिका की यह [illegible] (4)
7. जल में उत्पन्न [illegible] (3)
8. [illegible] (3)
9. [illegible] (4)
11. [illegible] (2)
14. [illegible] (3)
16. प्रतिवासी, पड़ोसी (4)
18. [illegible] (3)
20. [illegible] (2)
21. [illegible] (2)
22. [illegible] (3)
23. [illegible] (3)
24. [illegible] (3)

ऊपर से नीचे

1. [illegible] (2)
2. [illegible] (3)
3. [illegible] (3)
4. अंदाज, अनुमान, [illegible] (4)
5. [illegible] (2)
6. [illegible] (3)
10. जड़, नींव, आधार (4)
12. [illegible] (3)
13. [illegible] (4)
15. कार्तिक शुक्ल द्वितीया को होने वाला भाईदूज पर्व इस नाम से भी जाना जाता है (5)
17. पुरुषोत्तम मास, अधिक मास (4)
19. [illegible] (3)
23. जी, [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5356 का हल

कि	र	ण	बे	दी	■	गं	ज
ता	न	■	गा	न	म	ह	ली
ब	र	स	ना	■	■	का	न
फ	■	मा	■	भू	स	■	■
रो	ज	ना	म	चा	■	आ	शा
श	ल	■	त	ल	व	ना	र
■	प	थ	ल	■	ह	मी	दा
सी	न		ही	रा	ना	■	■

हिन्दी भारत के जन-जन की भाषा, देश का सम्मान बढ़ाया है हिन्दी ने

हिन्दी दिवस पर मप्र हिन्दी साहित्य सम्मेलन द्वारा जागरूकता रैली निकाली

मंदसौर, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। भारत का कोई प्रांत और स्थान ऐसा नहीं है जहां पर हिंदी भाषा को बोला और समझा ना जाता हो। शासकीय प्रक्रिया में हिंदी को राष्ट्रभाषा जब भी घोषित किया जाए ना किया जाए लेकिन भारत के जन-जन की भाषा है हिंदी। यह विचार म. प्र. हिंदी साहित्य सम्मेलन की प्रदेश कार्य समिति के सदस्य व जिला प्रभारी वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी ने व्यक्त किए। आप मध्य प्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन की जिला इकाई के तत्वावधान में हिन्दी दिवस पर प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुरूप निकाली गई हिंदी जागरूकता रैली के समापन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हिंदी के लिए हमारा संघर्ष जारी रहेगा आज यदि इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई का माध्यम हिंदी किया गया है और न्यायिक प्रक्रिया की भाषा को भी हिंदी में ही करने की पहल की जा रही है तो यह हम सब हिंदी प्रेमियों के संघर्ष का ही परिणाम है। पुरातत्व के विद्वान डॉ. कैलाश चंद्र पांडे ने कहा कि अंग्रेजी को महत्व दिए बिना भी राष्ट्र का विकास बहुत अच्छे से हो सकता है। 1970 के दशक में विद्यालयों में अंग्रेजी विषय के परीक्षा में आए हुए नंबरों को परीक्षा परिणाम के साथ नहीं जोड़ा जाता था। शासन की व्यवस्थाओं में हिंदी को सम्मान मिले या ना मिले किंतु इस देश में हिंदी को हमेशा सम्मान दिया है।

वरिष्ठपत्रकार डॉ. घनश्याम बटवाल ने कहा कि अभी हिंदी को उसका वास्तविक सम्मान दिलाने के लिए हमें अपना संघर्ष और जारी रखना है इस देश में हिंदी रक्त संचार की तरह है जैसे मनुष्य का शरीर बिना रक्त के नहीं चल सकता यह देश भी हिंदी के बिना नहीं चल सकता। हिंदी साहित्य सम्मेलन की जिला इकाई के अध्यक्ष वेद मिश्रा ने कहा कि हमें अपनी आम बोलचाल की और सामान्य वार्तालाप की भाषा में हिंदी का ही उपयोग करना चाहिए हमारे देश का दुर्भाग्य है कि व्यक्तियों को लगता है कि जब तक वह अंग्रेजी नहीं सीखेगा या बोलेगा उसका वास्तविक सम्मान नहीं होगा।जबकि हिंदी ही हमें सम्मान दे सकती है। पत्रकार गायत्री प्रसाद शर्मा ने कहा कि शिक्षा की भाषा कैसी भी हो लेकिन सामान्य जीवन में हमें मातृभाषा के रूप में हिंदी को ही माध्यम बनाना है। शिक्षाविद श्री रमेश चंद्र चंद्रे ने कहा कि कोयल अपने स्वर में गाती है इसलिए वह स्वतंत्र है तोता दूसरों की भाषा बोलता है इसलिए वह पिंजरे में रहता है। नई पीढ़ी के भविष्य को हिंदी के साथ जोड़ा जाना चाहिए। हिंदी रोजगार की भाषा बने। लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल विद्यालय के प्राचार्य धर्मपाल सिंह देवड़ा ने कहा कि हम हिंदी भाषी क्षेत्र के लोगों को सबसे पहले हिन्दी को सम्मान देना चाहिए तभी पूरे देश में हिंदी को सम्मान मिलेगा। महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय के प्राचार्य कैलाश चंद्र सोलंकी ने कहा कि हिंदी का उपयोग तो सब करते हैं लेकिन उतना ही सम्मान भी किया जाना चाहिए। लता मंगेशकर शासकीय संगीत महाविद्यालय के जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार त्रिवेदी ने कहा कि हिंदी ही वह भाषा है जिसने हमारे संस्कार और संस्कृति को जीवित रखा हुआ है। यदि आज पूरे विश्व में भारत का सम्मान बढ़ा है तो उसके पीछे हिंदी भाषा ही है। वरिष्ठ कवि अभा हिन्दी साहित्य परिषद के जिला सचिव नंदकिशोर राठौर ने कहा कि हिंदी ही वह भाषा है जिसने साहित्य को इस देश की मुख्य विधा बनाया है। हिंदी के बिना हम भारत में किसी भी क्षेत्र में सफलता की कल्पना नहीं कर सकते हिंदी है तो ही देश है। योग गुरु बंशीलाल टांक ने कहा कि क्या वजह है कि हिंदी को अभी तक राष्ट्रभाषा का सम्मान संविधान में नहीं दिया है यदि कश्मीर से धारा 370 है सकती है तो देश में हिंदी राष्ट्रभाषा घोषित क्यों नहीं हो सकती। कवि श्री लाल बहादुर श्रीवास्तव ने इस अवसर पर हिंदी पर केंद्रित काव्य पाठ किया। हिंदी जागरूकता रैली के समापन अवसर पर शिक्षा एवं पर्यावरण विद डॉ. उर्मिला तोमर ने सभी उपस्थित जनों को हिन्दी भाषा के प्रति अपने सम्मान के भाव को प्रगट करते हुए शपथ दिलाई। रैली में प्रगतिशील लेखक संघ के अध्यक्ष कैलाश जोशी म.प्र. हिन्दी साहित्य सम्मेलन की जिला इकाई के सचिव जयेश नागर, समाजसेवी राजाराम तंवर, श्री मती ज्योति नवाल, गायत्री परिवार के पवन गुप्ता, भंवर सिंह, परसराम शर्मा, राजेंद्र तिवारी, अजीजुल्लाह खान खालिद, भारतीय शिक्षण मंडल के अध्यक्ष श्याम सुंदर देशमुख, अनुराग सक्सेना, पत्रकार शंभुसेन राठौर, सचिन जैन शिक्षिका साधना श्रीवास्तव, रेणुका आचार्य, कन्हैया लाल रायसिंगानी तथा विजय सिंह पुरावत के नेतृत्व में राष्ट्रीय सुरक्षा (एनसीसी कैडेट) छात्र सैनिक, विद्यार्थियों और हिंदी प्रेमी महानुभावों ने भाग लिया। संचालन दशपुर जागृति संगठन से संयोजक सत्येंद्र सिंह सोम ने किया आभार अभा साहित्य परिषद के जिला अध्यक्ष नरेंद्र भावसार ने माना। रैली सरदार पटेल चौराहा से आरम्भ हो कर गांधी चौराहा, नेहरू बस स्टेंड हो कर भारत माता चोराहा पर संपन्न हुई। महारानी लक्ष्मी बाई विद्यालय के बाहर रैली का विद्यालय परिवार और छात्राओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। रैली में शामिल सभी हिंदी प्रेमियों ने अपने हाथों में हिन्दी भाषा को सम्मान देने के नारों की पट्टियां लिए हुए थी। सभी नारे लगाते रैली में चल रहे थे।

हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत काव्यपाठ प्रतियोगिता सम्पन्न

मंदसौर, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता ने बताया कि हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत आज दिनांक 14 सितंबर 2024 को हिंदी दिवस मनाया गया जिसके अंतर्गत काव्य पाठ प्रतियोगिता एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया।

14 सितंबर 2024 के कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता ने विद्यार्थियों को हिंदी में पठन-पाठन में रुचि लेने एवं दैनिक जीवन में व्यवहार में लाने की प्रेरणा दी। वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. राजकपूर वर्मा ने विद्यार्थियों को हिंदी के महत्व एवं उपयोगिता की जानकारी देते हुए स्वरचित कविता के माध्यम से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। विभागाध्यक्ष डॉ. जे. एल. आर्य ने भूमंडलीकरण के दौर में हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं रोजगार मूलक हिंदी के बारे में बताया। हिंदी के विभागाध्यक्ष डॉ. जे.एल. आर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि महाविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दिनांक 0 5 सितंबर 2024 को हिंदी वर्तनी सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम स्थान कुमारी मायावती बी. ए. प्रथम वर्ष एवं द्वितीय स्थान प्रियंका राठौर बी.ए. प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया। दिनांक 9 सितंबर 2024 को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका विषय 'विश्व पटल पर हिंदी की महत्ता' रखा गया। दिनांक 10 सितंबर 2024 को वर्तमान में हिंदी की संवैधानिक स्थिति पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रथम स्थान रोहित बी. ए. द्वितीय वर्ष तथा द्वितीय स्थान देवांशु नलवाया बी. ए. द्वितीय वर्ष ने प्राप्त किया। दिनांक 13 सितंबर 2024 को हिंदी व्याकरण एवं भारतीय संत परंपरा पर हिंदी भाषा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम स्थान अनिल प्रजापत बी.ए. द्वितीय वर्ष तथा द्वितीय स्थान निकिता सेन बी.ए. द्वितीय वर्ष ने प्राप्त किया। दिनांक 14 सितंबर को काव्य पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रथम स्थान हेमंत बी.ए. द्वितीय वर्ष एवं द्वितीय स्थान मनीषा मनोहर लाल बी.ए. द्वितीय वर्ष ने प्राप्त किया। डॉ. ज्योति डोसी द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया एवं आभार हिंदी की प्राध्यापिका डॉ. सीमा जैन ने प्रकट किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक गण एवं विद्यार्थी गण उपस्थित रहें।

किसानों की समस्याओं व मांगों को लेकर कल भारतीय किसान संघ रैली निकालकर देगा ज्ञापन

मंदसौर, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश भारतीय किसान संघ के प्रदेश व्यापी आव्हान के तहत 16 सितंबर सोमवार को दोप. 1 बजे सुशासन भवन पर प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन दिया जाएगा। ज्ञापन के पूर्व बीकानेर स्वीट्स एस.पी. ऑफीस के सामने एकत्र होकर किसान रैली के रूप में सुशासन भवन पहुंचेगे।

भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष बद्रीलाल पाटीदार देहरी, जिला मंत्री राधेश्याम ठन्ना फतेहगढ़, जिला प्रचार प्रसार प्रमुख मुकेश कुमार जाट ने बताया कि यह रैली व ज्ञापन किसान संघ किसानों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों जिनमें प्रमुख रूप से सोयाबीन का भाव 6 हजार रू. क्विंटल हो या सरकार द्वारा समर्थन मूल्य में सोयाबीन खरीदी जाती है तो उस पर 1200 रू. क्विंटल का अनुदान दिया जावे। वर्तमान में चीन से लहसुन जो भारत में आयात हो रही है उससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है, बाजार में निरंतर लहसुन के भाव गिरते जा रहे है इसे तत्काल प्रतिबंधित किया जावे। सोयाबीन की फसल अफलन व पीला मोजक रोग से फसल में भारी नुकसान हुआ इसे राजस्व स्तर पर सर्वे कराया जावे व मुआवजा व बीमा की पात्रता दिलाई जावे। आयात निर्यात नीति खेती के अनुयायी बनाई जावे। फसल आने के पूर्व आयात पर प्रतिबंध लगाया जावे। भारतीय गौवंश को बढ़ावा देने हेतु पालक किसान को प्रति गाय (अनुदान) प्रोत्साहन राशि दी जाये। देशी गाय का दूध गुणवत्ता के आधार पर 100 रू. प्रति लीटर खरीदा जाये। भारतीय किसान संघ ने सभी किसान भाईयों से निवेदन किया है कि सुशासन भवन रोड़ स्थित बिकानेर स्वीट्स के पास एकत्रित होकर रैली व ज्ञापन कार्यक्रम को सफल बनावे।

मटकी फोड़ प्रतियोगिता सम्पन्न

मनासा, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर के कुशवाह मोहल्ले में 24वर्षो से अनवरत कुशवाह सिद्धि विनायक उत्सव समिति इस वर्ष भी पूरे उत्साह केसाथ गणपति स्थापना केसाथ सांस्कृतिक आयोजन किया जा रहे है। शुक्रवार को समिति द्वारा मटकी फोड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमे मुख्य अतिथि प्रेस क्लब अध्यक्ष रामधन विजयवर्गीय ,सह सचिव दिलीप बोराना,सदस्य मनीष जोलान्या सहित राजू कुशवाह समाजसेवी, संदीप चौधरी , श्याम तोमर समाजसेवी उपस्थित थे ।अतिथियों द्वारा आराध्य की पूजा अर्चना के साथ आरती की गई। अतिथियों का स्वागत कुशवाह सिद्धिविनायक समिति के सदस्य अध्यक्ष किशन, उपाध्यक्ष किशन (विजय) ,,सचिव रोहित,, सहसचिव विनोद कोषाध्यक्ष मानसिंह संदीप कार्यकर्ता का स्वागत आदि सदस्यो ने किया।

ज्ञानोदय कॉलेज में हिंदी दिवस का आयोजन

मनासा, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। आज दिनांक 14 सितम्बर ज्ञानोदय इंस्टीट्यूट मनासा में 'हिंदी दिवस' के अवसर पर 'काव्य पाठ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ज्ञानोदय महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य पंकज तिवारी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया है। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मां सरस्वती एवम मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया, कार्यक्रम में आयटीआय बीएड एवम बीएबीएड के नव प्रवेशित एवम द्वितीय वर्ष के छात्र छात्राओं विजय नागदा, पवन गिरी, बनिता कुंवर, प्रिया शर्मा, कपिल नागदा, सुमित नागदा आदि ने हिंदी के महत्व एवम हिंदी भाषा देश की शान के सम्बंध में अपनी अपनी कविता एवम पंक्तियां प्रस्तुत की। इस अवसर पर महाविद्यालय स्टाफ ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए, काव्य पाठ के माध्यम से हिंदी का महत्व समझाया। अंत में सामूहिक राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

हिंदी शब्द की उत्पत्ति मूलत: संस्कृत के सिंध शब्द से हुई–गेहलोत

पिपलियामंडी, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। एकीकृत माध्यमिक विद्यालय पिपलियापंथ में साहित्यकार भगवतीप्रसाद गेहलोत व प्रधानाध्यापक कालूराम डिंडोर के आतिथ्य में हिंदी दिवस मनाया। शुभारंभ में सरस्वती वंदना अमिषा व हेमलता ने प्रस्तुत की। नाराजी, वर्षा ने स्काउट गीत, कंचन, प्राची, अर्पिता, वर्षा, पूजा, रवीना व गौरवसिंह ने गीत प्रस्तुत किए। इस अवसर पर गेहलोत ने हिन्दी से जुड़े इतिहास व रोचक तथ्य बताते हुए कहा हिन्दी शब्द की उत्पत्ति मूलत: संस्कृत भाषा के शब्द सिंध से हुई है, जिसका अर्थ है सिन्धु नदी की भूमि या सिंधू नदी के आसपास का क्षेत्र। सिंध शब्द का ईरानी व फारसी में हिंद उच्चारण किया जाता था, आगे चलकर सिंध यानी हिंद क्षेत्र के आसपास बोली जाने वाली भाषा को हिंदवी या हिंदी कहा जाने लगा। संदीप जैन ने श्रुत लेखन व हिंदी आधारित बुद्धि परीक्षण - विपरीत युग्म शब्द प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की, जिसमें प्रथम कंचन कुंवर, द्वितीय प्राचीकुंवर, तृतीय रुद्रप्रताप, कनिष्का, अंश रहे। इस अवसर पर शिक्षक विभा जैन, विमला पंवार, संजय जैन, ममता वाघेला व डाइट प्रशिक्षणार्थी भी उपस्थित रहे। संचालन शिक्षक अनिल धनोतिया ने किया।

कन्या महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डा. सुधीर रायजादा ने बताया कि महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. रायजादा ने कहा कि माँ, मातृभूमि, मातृभाषा का सम्मान हमेशा करना चाहिए। हिन्दी का महत्त्व कम करने के लिए अंग्रेजों, ने गुरुकुलों की पद्धति को समाप्त किया। हिन्दी का महत्त्व बताते हुए उन्होंने आज के तकनीकि युग में सभी क्षेत्रों मे हिन्दी का उपयोग बढ रहा है।इस अवसर पर, तमन्ना शर्मा, अरुणा धाकड, रविना मौर्य आयुषी चौहान, रेश्मा मोमिन, अनिता राठौड़, वर्षा परिहार यो डांगी ने कविता, दोहे और अपने विचार व्यक्त किये। हिन्दी परववाड़ा के तहत काव्य पाठ और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। काव्य पाठ मे कु साक्षी चंद्रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथानिबंध प्रतियोगिता में सुशिला सेन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंजलि जैन ने किया। इस अवसर छात्राओं और महाविद्यालयीन स्टॉफ ने सहभागिता दी।महाविद्यालय में आज स्वच्छता पखवाड़े का भी शुभारंभ किया गया। शुभारंभ में 14 सितंबर से स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाऐंगा। इसके अन्तर्गत आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिता की जानकारी पखवाड़ा प्रभारी डॉ. राजश्री ठाकुर ने दी।

बोहरा समाज ने मनाया ईद मिलादुन्नबी पर्व

पिपलियामंडी, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर में बोहरा समाजजन ने ईद मिलाद उन नबी का त्योहार मनाया। प्रात: बायपास रोड़ स्थित मस्जिद पर विशेष नमाज अता की। नमाज के बाद अमन शांति व चेन भाईचारे की दुआ की। स्काउट कमांडर अब्बासभाई प्रिंस के निर्देश पर नीमच से ईजी स्काउट बैंड की धुनों पर कलाकार कदमताल मिलाते चल रहे थे, मुल्ला ताहेरभाई अब्देअली की अगुवाई में बोहरा जमात के सदस्यों ने जुलूस निकाला, जो नगर के गांधी चौराहा, मनासा मार्ग होकर पुन: मस्जिद पहुंचा। बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे

पीएमश्री स्कूल एवं सीएम राइज स्कूल का निरीक्षण

मनासा, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के उपसंचालक डॉ.महेश जैन, सहायक संचालक श्री नीरज सक्सेना एवं सहायक संचालक श्री हेमंत शर्मा ने शनिवार को मनासा में सीएम राइज स्कूल तथा पीएमश्री स्कूल का निरीक्षण किया। निरीक्षण में सीएम राइज के नव निर्मित भवन का निर्माण कार्य तथा उसमें आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही शैक्षणिक व्यवस्था को भी परखा। पीएम श्री विद्यालय मनासा में आईसीटी लेब डिजिटल लाइब्रेरी तथा वोकेशनल लैब का निरीक्षण किया। लैब में बच्चों के अध्यापन के स्तर को जांचा। यहां बाला फीचर, ग्रीन स्कूल संबंधी कार्यों को भी देखा। दोनों विद्यालयों में अध्यापन व्यवस्था संतोषप्रद पाई गई। भोपाल के इस दल ने जिले में शैक्षिक गुणवत्ता व विद्यालयों के संचालन की प्रशंसा की। निरीक्षण दल के साथ एडीपीसी श्री प्रलय कुमार उपाध्याय भी उपस्थित थे।

विधायक की उपस्तिथि में छात्रों ने की एनएसयूआई की सदस्यता ग्रहण

मंदसौर, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। दलोदा महाविद्यालय में कांग्रेस पार्टी की रीति नीति व क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक के व्यक्तित्व से प्रभावित हो कर आज कई छात्रों ने एनएसयूंआई की सदस्यता ग्रहण करी। विधायक विपिन जैन ने सभी छात्रों को माला पहना कर एनएसयूआई छात्र संगठन की सदस्यता ग्रहण कराई व सभी को बधाई शुभकामनाएं दी। सदस्यता ग्रहण करने वालों में संदीप बामनिया, जुगल पटेल, अभिषेक माली, रोहित परिहार इस अवसर पर विधायक विपिन जैन जिला काग्रेस प्रवक्ता राजनरायण लाड़, दीपक भंडारी, विधायक प्रतिनिधि कपिल सेन, दलौदा महाविद्यालय परिसर अध्यक्ष विकास चौधरी, उपाध्यक्ष अजय व्यास, आदर्श जोशी, हरीश पाटीदार, दुर्गाशंकर धाकड़, यश श्रीवास्तव, कृष्णपाल सिंह आदि इस अवसर पर उपस्थित थे।

दिनांक 15 सितम्बर 2024

अपनी कुण्डली स्वयं देखे–
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ

क्या आप जानते है...?

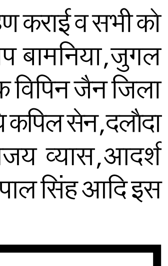

✻ यदि आपको कोई अस्थिर रोग हैं तो भोजन करते समय अपनी भोजन की थाली में से एक चौथाई हिस्सा गाय एवं एक चौथाई हिस्सा श्वान के लिए अवश्य निकाले (वैद्य उपचार के साथ) इससे रोग मुक्ति मे निश्चय ही शीघ्र लाभ मिलता हैं।

जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

परिजनों द्वारा बेवा को प्रताड़ित कर जमीन हड़पने का प्रयास

पीड़िता ने की क्षेत्रीय थाने पर शिकायत, कार्यवाही से असंतुष्ट हो कर पहुंची जिला मुख्यालय

मनासा, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। दिनांक 12 सितंबर 2024 को नीमच जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक घटना पर कहेनुसार कार्रवाई नहीं होने एवं सही से शिकायत न लिखने की शिकायत आई है। जिसमें मनासा तहसील के रामपुरा थाना क्षेत्र के गांव बाक्या खेड़ा की है। जहां से माया बाई बेवा स्वर्गीय पति बाबूलाल गरासिया बंजारा समाज की महिला द्वारा न्याय की गुहार के लिए अपनी शिकायत आवेदन में यह बताया कि उसके पति बाबू गरासिया की मृत्यु लगभग 8 वर्ष पूर्व हो गई है एवं उसके जो हिस्से की पैतृक संपत्ति जो उनके परिवार का लालन पालन और भरण पोषण का एक मात्र शोत्र है । वही उससे हथियाने का प्रयास स्वर्गीय पति बाबूलाल गरासिया के बडे भाई चतरा गरासिया के तीनों पुत्र बादर गरासिया , मदन गरासिया , शांतिलाल गरासिया , द्वारा लंबे समय से किया जा रहा है आए दिन निराधार कारणों को लेकर विवाद करना उनकी आदतों में शामिल हैं जिससे वह गांव एवं पैतृक संपत्ति को छोड़कर वहां से चली जाए। जब तीनों अपने मंसूबे में कामयाब नहीं होते हैं तब अपनी चाची के साथ वह हरकत कर देते हैं जिसके मानव जाति शर्मसार हो जाती हैं। इन्ही कारणों के चलते मजबूरन अपने ही परिवार के विरुद्ध शिकायत करना उचित लगा और अब वह न्याय की मांग को लेकर भटकना पड़ रहा है। घटना 9 सितंबर 2024 की सुबह 10 बजे है जहां पर निर्वस्त्र नहाते हुए अपनी ही मां समान चाची माया बाई के पास आरोपी मदन गरासिया , बादर गरासिया , एवं शांतिलाल गरासिया पहुंचते हैं निर्वस्त्र को निहारते हुए अश्लील गाली गलौज एवं हरकतें करते है एवं संपत्ति एवं गांव छोड़ जाने का दबाव बनाते हैं एवं गलत इरादे से शरीर का स्पर्श करते हैं। जब माया बाई की पुत्री द्वारा शोर मचाया जाता है एवं आसपास के व्यक्ति एकत्रित होते हैं। तब आरोपीगण धमकियां देकर निकल जाते हैं । जिसकी शिकायत माया बाई द्वारा क्षेत्र थाना रामपुरा में की जाना बताया है। जहां पर उसके वीडियो बयान भी लिए गए किंतु कार्रवाई से असंतुष्ट माया बाई ने जिला मुख्यालय पहुंचकर अपनी शिकायत आवेदन में यह बताया कि जिस प्रकार से मेरे साथ घटना क्रम हुआ है उस आधार पर क्षेत्रीय थाने पर मेरी शिकायत दर्ज नहीं की गई एवं कार्रवाई नहीं हुई इसपर संबंधित उच्च अधिकारियों से न्याय की गुहार लेकर माया बाई ने नीमच जिला मुख्यालय पहुंचकर अपना शिकायत आवेदन प्रस्तुत कर आगामी अप्रिय घटना घटित होने की आशंका जताई है। वह ना हो यह उम्मीद से उच्चाधिकारियों से न्याय की मांग की है।

✻✻✻✻ सफलता की कहानी ✻✻✻✻

नंदन फलोउद्यान योजना का लाभ लेकर किसान भोनीशंकर ने लगाया अमरूद का बगीचा

नीमच, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले की मनासा विकासखण्ड के ग्राम नलखेड़ा के किसान श्री भोनीशंकर शर्मा ने नन्दन फलोउद्यान योजना का लाभ लेकर खेती को लाभ का धन्धा बना लिया है। पहले वे पारम्परिक रूप से खेती करते थे। जिससे उन्हे लागत के अनुपात में मुनाफा नही मिल पा रहा था। इसी बीच उन्हे नंदन फलोउद्यान योजना के बारे में जानकारी मिली।

उन्होंने म.न.रेगा के तहत नंदन फलोउद्यान योजना का लाभ लिया और अपने खेत पर अमरूद के 250 पौधे लगाये। नंदन फलोउद्यान के कार्य में उन्हे 508 रोजगार दिवस की मजदूरी का भुगतान भी मिला। नंदन फलोउद्यान के तहत लगाए गये 250 अमरूद के पौधे से अब अच्छा उत्पादन होने लगा है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।किसान श्री भोनीशंकर का कहना है कि अब उनका पूरा परिवार अपने ही खेत पर काम कर अच्छे से जीवन यापन कर पा रहा है। अब उन्हे दूसरों के खेतों पर मजदूरी के लिए नही जाना पड़ रहा है। अमरूद की खेती के साथ ही वे अन्य फसलों का उत्पादन भी कर रहे है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हुआ है। इस तरह किसान श्री भोनीशंकर शर्मा ने नंदन फलोउद्यान योजना के तहत अमरूद की खेती कर कृषि को लाभ का धन्धा बना लिया है। किसान श्री भोनीशंकर शर्मा किसान हितैंषी योजनाओं के संचालन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव को धन्यवाद दे रहे है।

गैंदा फूलों की खेती कर लाभ कमा रहे है किसान घीसालाल

नीमच, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले की जावद विकासखण्डय के ग्राम मोड़ी के किसान घीसालाल पिता नाथूलाल ने परम्पारागत खेती की बजाय उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में फूलों की खेती कर, खेती को लाभ का धन्धा बना लिया है। किसान घीसालाल ने 0.50 हैक्टर में गैंदा फूलों की खेती करना प्रारंभ किया और 35 हजार रूपए का खर्च हुए। गैंदा फूल 40से 50 रूपये किलों के भाव से बिक रहे है। इससे घीसालाल को अच्छीज आय प्राप्ती हो रही है, गैंदा फूलों की खेती से घीसालाल को कुल एक लाख रूपए की आय प्राप्् होने की संभावना है। खर्च निकालकर उसे शुद्ध 65 हजार रूपये की आय होगी। इस तरह घीसालाल ने परम्पेरागत खेती की बजाय उन्नतत तकनीकी से गैंदा फूलों की खेती कर खेती को लाभ का धन्धाप बना लिया है। वह उद्यानिकी विभाग व म.प्र. सरकार को धन्यवाद दे रहा है।

गलवान घाटी समेत 4 चार जगहों से पीछे हटी चीनी सेना, भारत के दबाव के आगे झुका चीन

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। आखिरकार 4 साल गलवान घाटी में डटे रहने के बाद चीन ने वहां से अपने सैनिकों को पीछे हटने का कहा है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी समेत चार स्थानों पर सैनिकों की वापसी हुई है। चीन के विदेश मंत्रालय ने पूर्वी लद्दाख में गलवान समेत चार बिंदुओं से सैनिकों के पीछे हटने का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत और चीन ने रूस में अपनी बैठक के दौरान द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के वास्ते माहौल बनाने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की है।

चीन के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में ब्रिक्स सदस्य देशों में सुरक्षा मामलों के लिए जिम्मेदार उच्च-स्तरीय अधिकारियों की बैठक से इतर बातचीत की। इस दौरान दोनों पक्षों ने सीमा मुद्दों पर हाल के विचार-विमर्श में हुई प्रगति पर चर्चा की। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग से प्रेस वार्ता के दौरान पूछा गया कि क्या दोनों देश पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के कारण चार साल से अधिक समय से द्विपक्षीय संबंधों पर जमी बर्फ को हटाने के करीब हैं? इसपर माओ ने कहा कि दोनों सेनाओं ने चार क्षेत्रों से वापसी की है और सीमा पर स्थिति स्थिर है। प्रवक्ता ने कहा, हाल के वर्षों में, दोनों देशों की अग्रिम मोर्चे पर तैनात सेनाओं ने चीन-भारत सीमा के पश्चिमी क्षेत्र में चार बिंदुओं से पीछे हटने का काम पूरा कर लिया है, जिसमें गलवान घाटी भी शामिल है। चीन-भारत सीमा पर स्थिति आम तौर पर स्थिर और नियंत्रण में है। उनकी यह टिप्पणी विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा जिनेवा में दिए गए बयान के एक दिन बाद आई है। जयशंकर ने कहा था कि चीन के साथ सैनिकों की वापसी से जुड़ी समस्याओं का लगभग 75 प्रतिशत समाधान हो गया है, लेकिन बड़ा मुद्दा सीमा पर बढ़ता सैन्यीकरण है। डोभाल और वांग भारत-चीन सीमा वार्ता तंत्र के लिए विशेष प्रतिनिधि हैं। डोभाल और वांग के बीच हुई बैठक के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए चीन के विदेश मंत्रालय ने विज्ञप्ति में कहा कि दोनों पक्षों ने यह विश्वास व्यक्त किया कि चीन-भारत संबंधों की स्थिरता दोनों देशों के लोगों के बुनियादी और दीर्घकालिक हित में है तथा क्षेत्रीय शांति और विकास के लिए अनुकूल है। इसमें कहा गया कि चीन और भारत ने दोनों देशों के शासनाध्यक्षों के बीच बनी सहमति को क्रियान्वित करने, आपसी समझ और विश्वास को बढ़ाने, निरंतर संवाद बनाए रखने और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए माहौल बनाने पर सहमति जताई। विज्ञप्ति में कहा गया कि बैठक में डोभाल ने वांग को बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता तथा वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के प्रति सम्मान द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य स्थिति की वापसी के लिए आवश्यक है। डोभाल और वांग की बैठक भारत और चीन के बीच कूटनीतिक वार्ता के दो सप्ताह बाद हुई है। कूटनीतिक वार्ता के दौरान दोनों पक्ष लंबित मुद्दों का समाधान तलाशने के लिए कूटनीतिक और सैन्य माध्यमों से संपर्क बढ़ाने पर सहमत हुए थे।

इंदौर-उज्जैन के बीच बनेगा नया फोरलेन

चंद्रावतीगंज, अजनोद, खजूरिया, हातोद से होकर गुजरेगा

उज्जैन, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। धर्मनगरी उज्जैन से व्यावसायिक नगरी इंदौर की पहुंच आसान बनाने को प्रदेश सरकार 950 करोड़ रुपये खर्च कर एक नया फोरलेन सड़क मार्ग बनाने जा रही है। ये मार्ग उज्जैन के चिंतामन गणेश मंदिर मार्ग से जुड़कर चंद्रावतीगंज, अजनोद, खजूरिया, हातोद, गांधी नगर के रास्ते इंदौर एयरपोर्ट तक बनेगा।

कुल लंबाई 65 किलोमीटर होगी। दावा है कि फोरलेन निर्माण के बाद कार-बाइक से उज्जैन-इंदौर की दूरी 30 मिनट में पूरी हो जाएगी। ये मार्ग इंदौर में सुपर कारिडोर से सीधे कनेक्ट होगा। यानी यात्री इंदौर एयरपोर्ट से बायपास फोरलेन सड़क मार्ग से चलकर सीधे महाकाल मंदिर पहुंच सकेंगे। वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होने से सड़क मार्ग पर यातायात सुगम और सुरक्षित होगा।

इस मार्ग से जुड़े गांवों का होगा विकास–प्रस्तावित मार्ग से जुड़े गांवों में भी तरक्की की राह खुलेगी। फिलहाल मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) प्रोजेक्ट की विस्तृत कार्ययोजना यानी डीपीआर बना रहा है। उम्मीद है अगली कैबिनेट मीटिंग में डीपीआर प्रस्तुत हुई तो इसी वर्ष निविदा प्रक्रिया पूरी कर अगले वर्ष धरातल पर निर्माण शुरू हो जाएगा। वर्तमान में उज्जैन-इंदौर पहुंच के लिए एक फोरलेन सड़क पहले से उपलब्ध है। ये मार्ग महाकाल चौराहे और नानाखेड़ा चौराहे से निनोरा, पंथपिपलई, किठोदा, बड़ादिया खान, कायस्थ खेड़ी, सांवेर, तराना, राजोदा, धरमपुरी गांव होकर इंदौर में अरबिंदो अस्पताल चौराहे पर जाकर जुड़ता है।

इंदौर उज्जैन रोड को बना रहे सिक्सलेन–एक दशक पहले इस मार्ग को सरकार ने टूलेन से फोरलेन में तब्दील किया था। इस मार्ग से इंदौर की दूरी 54 किलोमीटर है। इसे पाटने में औसत 40 से 45 मिनट का समय लगता है। सरकार इसे अब 735 करोड़ रुपये खर्च कर सिक्सलेन में तब्दील करवा रही है।

मिट्टी परीक्षण का काम शुरू किया– एमपीआरडीसी के कार्य आदेश पर उदयपुर की रवि इन्फ्राबिल्ड कंपनी ने धरातल पर फाउंडेशन वर्क असेसमेंट के लिए मिट्टी परीक्षण का काम शुरू कर दिया है। योजना अनुरूप सिक्सलेन सड़क 15 साल के ऑपरेशन-मेंटेनेंस के साथ उज्जैन में स्थित हरिफाटक पुल से इंदौर में स्थित अरविंदो अस्पताल के सामने तक बनाई जाएगी। निर्माण हाइब्रिड वार्षिकी पद्धति से पेव्ड शोल्डर के साथ होगा। मुख्य सड़क डामर की और आबादी क्षेत्र में एप्रोच रोड सीमेंट-कांक्रीट की बनाई जाएगी। इस मार्ग का भूमि पूजन 18-19 सितंबर को उज्जैन आ रही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों कराए जाने की तैयारी है।

असर : गांवों के शहर में बदलने का रास्ता खुला– मार्ग से जुड़ी जमीन पर स्कूल-कॉलेज, अस्पताल, होटल, गोदाम, पेट्रोल पंप, माल आदि खोलने को कई लोगों ने अभी से जमीन आरक्षित कर ली है। मालूम हो कि इस फोरलेन सड़क की घोषणा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छह महीने पहले कार्यक्रम में की थी।

स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता की थीम पर मनाया जाएगा स्वच्छ भारत दिवस

मंदसौर, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिये स्वच्छ भारत दिवस के रूप में मनाया जाता है और इसकी शुरुआत के तौर पर 2017 से स्वच्छता ही सेवा का पखवाड़ा मनाया जा रहा है, ताकि स्वच्छता के लिये स्वैच्छिकता और सामूहिक कारवाई को मजबूत किया जा सके।

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान 17 सितम्बर से 1 अक्टूबर तक स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता की थीम के साथ 02 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस समारोह मनाया जाएगा। यह अभियान स्वच्छता के लिए बड़े पैमाने पर एडवोकेसी और नागरिक भागीदारी की सुविधा प्रदान करेगा, गंदे और जटिल कचरा स्थलों को साफ करने पर ध्यान देने के साथ मेगा सफाई अभियान तथा सफाई कर्मचारियों के योगदान को मान्यता देगा। यह अभियान सरकार और जनभागीदारी के दृष्टिकोण से चलाया जाएगा, जिसमें लोगों की भागीदारी पर जोर दिया जाएगा ताकि स्वच्छता हर किसी का सरोकार बन सके और इसे पंचागत एवं ग्रामीण विकास विभाग और नगरीय विकास एवं आवास विभाग के तहत ग्रामीण और शहरी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। स्वच्छता की भागीदारी जागरुकता बढ़ाने और शपथ, प्रतियोगिताएं, पौधरोपण अभियान आदि गतिविधियों के माध्यम को बढ़ावा देने के लिए नागरिकों, समुदायों और संगठनों के साथ व्यापक जुड़ाव हासिल अभियान के दौरान, स्वच्छ स्ट्रीट फूड चैलेंज, कचरे रिसाइकिल उत्पादों की बिक्री, स्वच्छ भारत सांस्कृतिक उत्सव, जैसी अभिनव गतिविधियों जा सकती है। श्रमदान के माध्यम से सम्पूर्ण स्वच्छता (जिसमें स्वच्छता लक्षित इकाइयां भी शामिल है) लोगों के श्रमदान के साथ मेगा सफाई अभियान, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्र सामान्य सफाई पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिसमें सामुदायिक परिसंपत्तियों जैसे जल निकायों (नालों, नदियों, बावडियों आदि). सड़कों, रेलवे स्टेशनों, खुले में पड़े कचरा के ढेरों आदि पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस वर्ष एक विशेष पहल के रूप में साझेदारी के माध्यम से ऐसे गंदे स्थान/इकाई जिनको स्वच्छ बनाने के लिए अभियान अवधि में लक्षित किया गया है। स्वच्छता के लिए समयबद्ध परिवर्तन पर जोर दिया जाएगा। कचरे से कला जेसी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए सौंदर्यीकरण, पौधरोपण आदि गतिविधियों द्वारा स्वच्छ और सुन्दर शहर बनाया जाएगा।

सफाई मित्र सुरक्षा शिविर सफाई-मित्रों के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाया जाकर निवारक स्वास्थ्य देखभाल उपचार सुनिश्चित किया जायेगा तथा उसी शिविर में केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिए जाने की सुसंगत कार्रवाई की जाएगी। यह शिविर ब्लाक एवं जिला स्तर पर आयोजित किया जा सकता है। आप सभी इस अभियान को सफल बनाने की ओर आवश्यक कार्रवाई करें एवं अभियान को सफल बनाएं।

सरल संयोजन पोर्टल पर नाम परिवर्तन करना हुआ आसान

मंदसौर, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अपने पोर्टल पर अब उपभोक्ताओं के नाम में परिवर्तन करना बेहद आसान कर दिया है। यह कार्य सरल संयोजन पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन किया जा रहा है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि जिन उपभोक्ताओं को अपने मीटर से संबंधित नाम में परिवर्तन करना है वह कंपनी के वेबसाइट portal.mpcz.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसमें कंपनी के पोर्टल पर LT New Connection (saral sanyojan portal) के अंतर्गत Other useful link लिंक में Apply for other service (saral sanyojan) में Name Change के रूप में नाम बदलने की सुविधा उपलब्ध है। उपभोक्ताओं को इसमें अपना आईवीआरएस नंबर डालना होगा। इससे वर्तमान कनेक्शन धारी संबंधित विवरण उसमें आ जाएगा। इसके बाद जिस नाम से कनेक्शन किया जाना है वह नाम तथा उससे संबंधित समग्र आईडी अथवा पैन कार्ड की प्रविष्टि की जानी है। इसके बाद समग्र पोर्टल से लिंक मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी प्राप्त होगा, जिसे प्रविष्ट करने के बाद आवेदन की प्रक्रिया आगे बढ़ जाएगी।

इसके बाद उपभोक्ता को अपने जरूरी दस्तावेज अपलोड करने होंगे। इनमें स्वयं का फोटो, पहचान पत्र, स्वामित्व प्रमाण, जाति प्रमाण पत्र यदि लागू हो, बीपीएल कार्ड यदि लागू हो, को अपलोड किया जाना है। घरेलू उपभोक्ता एवं सिंगल फेज गैर घरेलू उपभोक्ताओं को घोषणा पत्र देना होगा जबकि बाकी उपभोक्ताओं से उपरोक्त दस्तावेजों के अलावा एग्रीमेंट की शर्तों को नवीन मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। इसके पश्चात उपभोक्ता द्वारा 170 रूपये के डिमांड नोट का भुगतान किया जाना है। ऑनलाइन आवेदन देने के पश्चात उपभोक्ता आवेदन क्रमांक अथवा मोबाइल नंबर से आवेदन की स्थिति का पता लगा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 1912 अथवा उपाय एप तथा कंपनी के चैटबॉट 0755 2551222 पर भी जानकारी हासिल की जा सकती है।

अनंत चतुर्दशी पर 11 क्विंटल नुक्ति का वितरण

मंदसौर, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रति वर्ष अनुसार इस साल भी अनंत चतुर्दशी के पावन पर्व पर नगर के गांधी चौराहा पर कांग्रेस परिवार द्वारा 11 कुंटल नुक्ती का वितरण रात 8 बजे से किया जाएगा। यह आयोजन हर वर्ष कांग्रेस परिवार द्वारा किया जाता है। कांग्रेस परिवार ने नगर की सभी धार्मिक धर्म प्रेमी जनता से इस आयोजन में सम्मिलित हो कर महा प्रसादी का लाभ लेने का आग्रह किया है।

सांवलियाजी में जलझूलनी एकादशी पर उमड़ा जनसैलाब

चित्तौड़गढ़, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मेवाड़ के प्रसिद्ध कृष्णधाम चित्तौड़गढ़ जिले के मण्डफिया स्थित सांवलियाजी में जलझूलनी एकादशी के पावन मौके पर रजत रथ यात्रा निकाली गई। इस भव्य यात्रा में अपार जनसैलाब उमड़ पड़ा, जिससे मण्डफिया नगरी ने सहज रूप से गोकुल का स्वरूप ले लिया है।

मण्डफिया नगरी में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब–मण्डफिया के हर मार्ग पर अपार श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा, जिसमें देश के कोने-कौने से आए श्रृद्धालु भगवान सांवलिया सेठ की रथ यात्रा में शामिल हुए। मुख्य मंदिर के दक्षिणी द्वार से अभिजीत मुहुर्त में मन्दिर के ओसरा पुजारी ने सांवलियाजी का विग्रह मुख्य मंदिर के गर्भगृह से लेकर मन्दिर चौक में रखे रजत रथ में बिराजित कर पूजा-अर्चना संपन्न कराई। इस दौरान मण्डफिया नगरी सांवलिया सेठ के जयकारों से गूंज उठी। रथ यात्रा के इस भव्य अवसर पर हर भक्त भगवान सांवलिया सेठ को रिझाने और उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए अत्यंत उत्साहित और आतुर दिखाई दे रहा था।

रजत रथ यात्रा में रंग-बिरंगे फागोत्सव की झलक–मण्डफिया के विशाल मंदिर परिसर और गांव की गलियां और सांवलिया एनीकट तक रंग-बिरंगी अबीर और गुलाल से वृन्दावन के फागोत्सव का अनूठा अनुभव हुआ। रजत रथ में बिराजित साँवलिया जी ज्योंही मंदिर से जल में झूलने के लिए नगर भ्रमण पर निकले तो हाथी घोड़ा पालकी-जय बोलो नन्द लाल की से वातावरण गूंज उठा। रथ यात्रा में हाथी, घोड़े, ऊंट, बैण्ड बाजों के साथ नक्कारखाना, दो दर्जन से अधिक मालवी ढोल और बैण्ड, विशालकाय ध्वज पताकाएं, रजत छड़ी गोटे व भजन मण्डलियों के साथ मेलार्थी भाव-विभोर होकर नृत्य कर रहे थे। यहां आने वाला हर भक्त ठाकुर जी के दर्शन को आतुर दिखाई दिया।

आज 56 भोग महोत्सव का आयोजन

मंदसौर, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। धार्मिक नगरी मंदसौर का अति प्राचीन श्री मन्छापूर्ण महादेव मंदिर राम मोहल्ला जनकूपुरा मंदसौर पर आज 15 सितम्बर, रविवार को सायं 7.30 बजे 56 भोग महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। श्री मन्छापूर्ण महादेव भक्तों ने बताया कि मंदिर में प्रथम बार छप्पन भोग महोत्सव के तहत आज 15 सितम्बर, रविवार को भगवान श्री मन्छापूर्ण महादेव का विशेष श्रृंगार कर सायं 6 बजे छप्पन भोग दर्शन होंगे तथा सायं 7.30 बजे महाआरती का आयोजन होगा। श्री मन्छापूर्ण महादेव के भक्तों ने सभी धर्मालुजनों से धर्म और आध्यात्म के इस भव्य आयोजन में सपरिवार एवं इष्टमित्रों सहित पधारकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

कृषि वैज्ञानिकों द्वारा वाड़ियों में समन्वयक कीट प्रबंधन तकनीकी पर प्रशिक्षण

मंदसौर, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में एचडीएफसी बैंक परिवर्तन एवं बाएफ लाईव्वलीहुडमध्यप्रदेश के संयुक्त तत्वाधान में जिले के सीतामऊ एवं गरोठ विकासखण्ड में क्रियान्वित की जा रही एफडीपी वाड़ी विकास परियोजना अन्तर्गत एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र सह उद्यानिकी महाविद्यालय मन्दसौर में किया गया। जिसमें ग्राम सागोरिया, साठखेडा, गोपालपुरा टैंक एवं पून्याखेडी के 29 वाडी प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया।

कार्यक्रम में परियोजना के टीम लीडर आर.जी. गुप्ता द्वारा संचालित परियोजना में लक्ष्य अनुरूप 1200 प्रतिभागियों के यहां एक एकड क्षेत्र में 1200 संतरे (नागपुरी मेन्ड्रीन) तथा नींबू की तकनीकी रूप से वाड़िया स्थापित की जा चुकी है साथ ही स्थापित वाड़ियों में अधिक मूल्य आधारित अंतरवर्तीय फसलों लहसुन, प्याज, टमाटर एवं मिर्च सम्पूर्ण शस्य क्रियाओं के साथ सहयोग प्रदान कर किसानों को नवीन पद्धतियों से अवगत कराते हुए अधिक आय की ओर ले जाया जा रहा है।

कार्यक्रम में उपस्थित उद्यानिकी महाविद्यालय मन्दसौर से डॉ. प्रियंम्दा सोनकर (फल विभाग) द्वारा वाडी परियोजना के द्वारा किये जा रहे सहयोग से क्षेत्र के किसानों को प्राप्त हो रहे लाभ एवं तकनीकी ज्ञान हेतु एचडीएफसी बैंक परिवर्तन व बाएफ लाइवलीहुड टीम को सराहा एवं उक्त प्रकार की अभिनव पहल के लिए प्रत्येक स्तर पर परियोजना को महाविद्यालय स्तर से सहयोग के लिए आश्वस्त किया गया। डॉ. प्रियंम्दा सोनकर द्वारा संतरे की वाड़ियों की आयु के अनुसार लगने वाले पोषक तत्वों के प्रबंधन के साथ साथ फलों के रखरखाव, छटनी करना तथा परिवहन कर अधिक मूल्य प्राप्त करने की जानकारी दी। इसी क्रम में डॉ. रोशन गलानी द्वारा पौधों को दी जाने वाले पोषक तत्वों को देने का समय, मात्रा तथा स्थान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रमुख डॉ. जी.एस. चुण्डावत द्वारा पौधों में लगने वाले कीटों की पहचान, प्रभाव एवं उनके रोकथाम के बारे में प्रेजेंटेशन (सचित्र) के माध्यम से किसानों को अवगत कराया विशेष रूप से भौतिक नियंत्रण जैसे प्रकाश प्रपंच, फेरोमेन टैपए येलो स्टिकी टैप आदि के लिए उपयोग पर विशेष रूप से जोर दिया।

भ्रामक समाचार फैलाने वालों के विरूद्ध होगी कानूनी कार्रवाई-सचिव कृषि

मंदसौर, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। सोयाबीन पर न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने के संबंध में भ्रामक समाचार फैलाने वालों के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई की जायेगी। सचिव, किसान कल्याण तथा कृषि विकास श्री एम. सेल्वेंद्रन ने बताया कि सोशल मीडिया पर वर्ष 2024-25 के लिए सोयाबीन की एमएसपी बढ़ाने संबंधी फर्जी पत्र वायरल हो रहा है। यह पत्र पूर्णत: फर्जी है। फर्जी पत्र को वायरल करके भ्रामक जानकारी फैलाने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जाएगी। मध्यप्रदेश सरकार के द्वारा केंद्र सरकार से प्राप्त अनुमति अनुसार वर्ष 2024-25 के लिए सोयाबीन का उपार्जन निर्धारित दर 4892 रुपए प्रति क्विंटल से ही किया जाएगा। सचिव कृषि श्री सेल्वेंद्रन ने बताया है सोयाबीन की एमएसपी बढ़ाने संबंधी फर्जी पत्र वायरल करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए पुलिस को पत्र लिखा गया है। उन्होंने बताया कि फर्जी पत्र में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के प्रमुख सचिव एस. सेल्वेंद्रन के हस्ताक्षर से वर्ष 2024-25 विपणन खरीफ फसल सोयाबीन के न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढ़ाकर 5789 रुपए प्रति क्विंटल करने का जिक्र है, जो कि पूर्णत: फर्जी और भ्रामक है।

मृणाली ने जीता गोल्ड मेडल

मंदसौर, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। भोपाल में फोर्थ स्टेट ग्रैपलिंग प्रतियोगिता आयोजित हुई। जिसमें प्रदेशभर के खिलाडियों ने हिस्सा लिया। जूनियर वर्ग में मंदसौर की मृणाली अनिल शिंदे ने शानदार प्रदर्शन किया। मृणाली ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से गोल्ड मेडल हासिल करने में सफलता प्राप्त की। उनकी इस सफलता पर मंदसौर मिक्स मार्शल ऑर्ट्स एसोसिएशन और मृणाली के ईष्टमित्रों के साथ स्नेहीजनों ने उन्हें शुभकामनाएं दी और उज्वल भविष्य की कामना की।

डोल ग्यारस पर नगर व अंचल में निकले वेवाण, दर्शन कर आशीर्वाद लिया

नाहरगढ़, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। परम्परानुसार इस वर्ष भी भगवान श्रीकृष्ण के वेवाण का नगर भ्रमण हुआ। जगह-जगह पर स्वागत के साथ सभी ने दर्शन कर आशीर्वाद लिया । सभी ने सुख समृद्धि, खुशहाली, अमन चैन शांति,आपसी भाई चारे की भगवान से प्रार्थना की। जल झूलनी ग्यारस का बड़ा महत्व है इस दिन व्रत-उपवास रखकर जय श्रीकृष्ण का पुजा-पाठ व पूजन-अर्चना एवं दर्शन कर आशीर्वाद लेते है। नगर व अंचल मे जल झूलनी ग्यारस का पर्व सभी ने उत्साह के साथ मनाया।

भगवान के वेवाण निकले

पिपलियामंडी, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। समीपस्थ गांव बही पार्श्वनाथ में जलझूलनी ग्यारस पर भगवान के वेवान निकले जहाँ पूरे ग्राम मुख्य मार्ग से होते हुवे पवित्र तालाब पर भगवान् का अभिषेक-पूजन स्नान कराया गया जिसमें समस्त ग्रामवासी में बढ-चढकर भगवान का गांव में ढोल नगाड़ों से पहुंचे राम जानकी मंदिर राधा कृष्ण मंदिर चारभुजा जी मंदिर राम जानकी मंदिर चार मंदिर राज्यपाल की में विराजमान थे।पुजारी जीवन दास जी बैरागी, श्याम दास जी शर्मा विष्णु दास जी बैरागी व कमल दास जी बैरागी व समस्त ग्राम वासीयो ने धर्म का लाभ लिया पुन: भगवान् मंदिरो मे पहुचे जहाँ पूजन के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

नेशनल लोक अदालत में 2 हजार 592 प्रकरणों का निराकरण कर 9 करोड़ 87 लाख का अवार्ड पारित

मंदसौर, 14 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा प्रसारित निर्देशानुसार व माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री कपिल मेहता के कुशल मार्गदर्शन में 14 सितम्बर, 2024, शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय मंदसौर एवं तहसील न्यायालय गरोठ, भानपुरा, नारायणगढ़, सीतामऊमें किया गया।

जिला न्यायालय परिसर स्थित ए.डी.आर. सेंटर भवन के सभागृह में माननीय विशेष न्यायाधीश श्री अजय कुमार सिंह द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ कार्यक्रम को विशेष न्यायाधीश श्री अजय कुमार सिंह, प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय श्री गंगाचरण दुबे एवं जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष श्री रघुवीर सिंह पंवार ने सम्बोधित कर अपने विचार व्यक्त किये। शुभारंभ कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग एवं पुलिस अधक्षीक श्री अभिषेक आनन्द द्वारा भी सहभागिता की गई। शुभारंभ कार्यक्रम में आभार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर के सचिव एवं जिला न्यायाधीश श्री सिद्धार्थ तिवारी द्वारा व्यक्त किया गया तथा संचालन जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश डॉ. प्रीति श्रीवास्तव, सुश्री प्रतिष्ठा अवस्थी, श्री आसिफ अब्दुल्लाह, श्री विशाल शर्मा, श्री विवेक बुखारिया, श्री मुनेन्द्र सिंह वर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री प्रवीण कुमार सोंधिया, अन्य न्यायाधीशगण श्री प्रेमदीप सांकला, श्रीमती रोहिणी तिवारी, श्री विनोद अहिरवार, श्री राजकुमार त्रिपाठी, सुश्री निकिता वार्ष्णेय, श्रीमती प्राची पाण्डेय माटा, सुश्री श्वेता सिंह, सुश्री रूपा मिश्रा, सुश्री पूर्वी गुप्ता, अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी एवं अधिवक्तागण, न्यायिक कर्मचारीगण, विभिन्न बैंक, बीमा कम्पनियां, विद्युत विभाग एवं विभिन्न विभागों के अधिकारीगण, खण्डपीठ सदस्यगण इत्यादि उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु जिले में कुल 31 न्यायिक खण्डपीठों का गठन किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ के पश्चात नेशनल लोक अदालत की कार्यवाही गठित खंडपीठों में शाम तक चली, जिसमें राजीनामे के माध्यम से 2,592 प्रकरणों का निराकरण किया गया। लोक अदालत में 10,936 कोर्ट में लंबित मामले निराकरण के लिए रखे गए थे जिसमें से कुल 1309 प्रकरणों का निराकरण किया गया, जिसमें कुल 8,82,03,163/-का अवार्ड पारित किया गया। इसी प्रकार कुल 8671 प्रीलिटिगेशन के रखे प्रकरण में से 1283 प्रकरणों का निराकरण किया गया जिसमें 1,05,96,531/- राशि की वसूली की गई। मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा के 68 प्रकरण निराकृत किए गए, जिसमें कुल राशि 3,38,15,477/- का अवार्ड पारित किया गया। इस लोक अदालत में धारा 138 के अंतर्गत चैक बाउंस के 460 प्रकरण निराकृत किए गए जिसमें कुल राशि रू. 3,73,63,229/- का अवार्ड पारित किया गया।

उपचार के दौरान बालिका...

पेज 1 से जारी

करवाया गया। परिजनों के अनुसार करीब 10 बजे इलाज शुरू करवाया और 12 से 12:30 बजे के करीब बच्ची ने बोलना बंद कर दिया। जब परिजनों ने डॉक्टर से बची के न बोलना बारे में पूछा तो उन्हें बताया गया कि उसे नींद का इंजेक्शन दिया है। जिसके कुछ देर बाद ही बची ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन व डाक्टरो पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। जिसकी जानकारी लगने पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाइश दी।

इधर बची के शव को बड़े अस्पताल ले जाया गया। जहां शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू दी है। परिजन चाहते हैं कि इस मामले की निष्पक्ष जांच हो, पैनल के द्वारा पोस्टमार्टम किया जाए, जिसकी वीडियोग्राफी हो। जो पर्चा इलाज के लिए लिखा गया है और जहां पर्चा लिखा गया है, उस जगह का सीसीटीवी फुटेज जब्त किया जाए। इस दौरान तहसीलदार संजय मालवीय, थाना प्रभारी पुष्पा सिंह चौहान सहित पुलिस कर्मी आदि मौजूद रहे। तहसीलदार संजय मालवीय ने बताया कि 13-14 साल की बच्ची को चक्कर आने की शिकायत पर परिजन पहले मोरवन अस्पताल ले गए थे। वहां से नीमच रेफर किया था। नीमच के गुप्ता हॉस्पिटल लाए थे, यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in